

ओ३म्

यजुर्वेदसंहितायाः ॥

सन्त्राणां

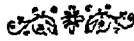
वर्णानुक्रमसूची



अजमेरस्थ वैदिक यन्त्रालये

मुद्रिता

द्वितीयावृत्तिः,



सृष्टयन्त्राः १९७२९४९००११

संवत् १९६७ वि०

यजुर्वेदसंहितायाः

मन्त्राणां वर्णानुक्रमसूची ॥

अ

अ॒शुनातेअ॒शु.

अग्नि॒युनज्मि॒शव.

| पृष्ठांक. | अध्याय. मंत्र. | पृष्ठांक. | अध्याय. मंत्र. |
|-----------|----------------------------------|-----------|--|
| ६६ | अ॒शुनातेअ॒शु २० २७ | १३२ | अ॒ग्नये॒गायत्राय २६ ६० |
| १६ | अ॒शु॒र॒शुष्टे ५ ७ | ४१ | अ॒ग्नये॒गृहप॒तये १० २३ |
| ८३ | अ॒शु॒श्वे॒र॒शि॒म १८ १९ | २८ | अ॒ग्नये॒त्त्राम॒ह्यं ७ ४७ |
| १० | अ॒क्रन् क॒र्मक॒र्म ३ ४७ | ११४ | अ॒ग्नये॒नीक॒वते २४ १६ |
| ५० | अ॒क्रन्द॒दग्नि॒स्तनय १२ ६ | १३२ | अ॒ग्नये॒नीक॒वते॒रोहि॒ता २६ ५९ |
| ५० | अ॒क्रन्द॒दग्नि॒स्तनय १२ २१ | १३५ | अ॒ग्नये॒पी॒वान॒म ३० २१ |
| ५१ | अ॒क्रन्द॒दग्नि॒स्तनय १२ ३३ | १०५ | अ॒ग्नये॒स्वाहा॒सोमा २२ ६ |
| ११ | अ॒क्ष॒न्मी॒मद॒न्त ३ ५१ | १०७ | अ॒ग्नये॒स्वाहा॒सोमा॒य- स्व॒हो॒न्द्राय २२ २७ |
| १३४ | अ॒क्ष॒रा॒जा॒य॒कित॒वम् ३० १८ | ३० | अ॒ग्ना ३ इ॒प॒त्नी॒व॒न्त्स ८ १० |
| ९० | अ॒ग्न॒आ॒यू॒२पि॒व १६ ३८ | १६ | अ॒ग्ना॒व॒ग्नि॒श्च॒रति॒पव ५ ४ |
| १५० | अ॒ग्न॒आ॒युं॒पि ३५ १६ | ६८ | अ॒ग्नि॒तं॒म॒न्ये॒यो १५ ४१ |
| १४२ | अ॒ग्न॒इ॒न्द्र॒व॒रु॒णमि॒त्र ३३ ४८ | १०६ | अ॒ग्नि॒दू॒तं॒पु॒रो॒दधे २२ १७ |
| ७ | अ॒ग्नये॒क॒व्य॒वा॒ह॒नाय २ २६ | ८५ | अ॒ग्नि॒यु॒नज्मि॒शव १८ ५१ |
| ११४ | अ॒ग्नये॒कु॒रु॒ना २४ २३ | | |

| पृ० | अ० सं० |
|-----|---------------------------------------|
| १०६ | अग्निस्तोत्रेनबोध २२ १५ |
| १५७ | अग्निःॐहृदयेना ३६ ८ |
| ६८ | अग्निःॐहोतारंमन्ये १५ ४७ |
| १०९ | अग्निःपशुराशीत्तेना २३ १७ |
| ४१ | अग्निःपृथुर्धर्मणस्य १० २९ |
| ५५ | अग्निःप्रियेपृथामसु १२ ११७ |
| १०४ | अग्निमद्यहोतारं २१ ५६ |
| १२८ | अग्निमद्यहोतारं २८ ४६ |
| १२६ | अग्निमद्यहोतारं २८ २३ |
| ८६ | अग्निरग्निमज्जना १८ ६६ |
| १२० | अग्निर्ऋषिःपवमानः २६ ६ |
| ३७ | अग्निरेकाक्षरेण ६ ३१ |
| ६ | अग्निर्ज्योतिर्ज्योतिरग्निः ३ ९ |
| ५८ | अग्निर्ज्योतिषा ज्योतिष्मान् १३ ४० |
| ६२ | अग्निर्देवतावातोदेवता १४ २० |
| ६ | अग्निर्मूर्द्धादिवःकुत ३ १२ |
| ६७ | अग्निर्मूर्द्धादिवः १५ २० |
| ५७ | अग्निर्मूर्द्धादिवः १३ १४ |
| १४० | अग्निर्वृत्राणि ३३ ६ |
| १२० | अग्निश्चपृथ्वीचसं २६ १ |
| ८३ | अग्निश्चमन्त्रापश्च १८ १४ |
| ८३ | अग्निश्चमद्भ्रश्च १८ १६ |
| ८३ | अग्निश्चमेघर्मश्च १८ २२ |
| ९१ | अग्निष्वात्ताःपितर एष १६ ५६ |
| ६१ | अग्निष्वात्तानृतुमतो १६ ६१ |
| ६ | अग्निस्तिग्मेनशोचिषा १७ १६ |
| ७६ | अग्नीषोमयोरुज्जितिम् २ १५ |
| ३७ | अग्नेश्चोवेदहनः ९ १८ |

| पृ० | अ० सं० |
|-----|-----------------------------|
| ५० | अग्नेश्चिराशतम् १२ ८ |
| ७ | अग्नेगृहपतेसुगृह २ २७ |
| ६५ | अग्नेजातान्प्रणुदानः १५ १ |
| ६८ | अग्नेतमद्याश्वंन १५ ४४ |
| ७६ | अग्नेतमद्याश्वंन १७ ७७ |
| ५४ | अग्नेतवश्रवोवायो १२ १०६ |
| १० | अग्नेत्वन्नोऽग्रन्तम् ३ २५ |
| ११६ | अग्नेत्वन्नोऽग्रन्तम् २५ ४७ |
| ६८ | अग्नेत्वन्नो १५ ४८ |
| ५२ | अग्नेत्वंपुरीष्यो १२ ५९ |
| १३ | अग्नेत्वंॐसुजागृहि ४ १४ |
| ६ | अग्नेऽद्वयायोऽशीतम् २ २० |
| ५२ | अग्नेदिवोअर्यामच्छा १२ ४६ |
| १८ | अग्नेनयसुपथा ५ ३६ |
| १५६ | अग्नेनयसुपथा ४० १६ |
| २७ | अग्नेनयसुपथा ७ ४३ |
| १२१ | अग्नेपत्नीरिहावह २६ २० |
| ३२ | अग्नेपवस्वस्वपा ८ ३८ |
| ७६ | अग्नेपावकरोचिषा १७ ८ |
| ७६ | अग्नेप्रेहिप्रथमो १७ ६६ |
| ३ | अग्नेब्रह्मगृभ्यांश्च १ १८ |
| ६३ | अग्नेर्भागोऽसि १४ २४ |
| ५० | अग्नेऽभ्यावर्त्तिन्न १२ ७ |
| ५२ | अग्नेर्यत्तेदिविवर्चः १२ ४८ |
| ५४ | अग्नेयत्तेशुक्रं १२ १०४ |
| ५८ | अग्नेयुत्त्वांहियेतवा १३ ३६ |
| ३१ | अग्नेरनीकमप ८ २४ |
| १६ | अग्नेर्जनिन्नमसि ५ २ |
| २२ | अग्नेर्वोऽपन्नगृहस्य ६ २४ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|-----|-------------------------|-----|--------|
| ५ | अग्नेवाजिद्राजन् | २ | ७ |
| ६८ | अग्नेवाजस्यागोमतः | १५ | ३५ |
| ५ | अग्नेवेहोत्रं | २ | ९ |
| २ | अग्नेव्रतपतेव्रतं | १ | ५ |
| ७ | अग्नेव्रतपतेव्रतमचारिषं | २ | २८ |
| १६ | अग्नेव्रतपास्ते | ५ | ४० |
| १६ | अग्नेव्रतपास्त्रे | ५ | ६ |
| १४० | अग्नेशर्धमहतेसौभा | ३३ | १२ |
| ३८ | अग्नेसहस्वपृतना | ९ | ३७ |
| ७८ | अग्नेसहस्ताक्षशतम् | १७ | ७१ |
| २ | अग्नेस्तनूरसि | १ | १५ |
| १६ | अग्नेस्तनूरसिविष्णवे | ५ | १ |
| १२३ | अग्नेस्त्राहाकृणुहि | २७ | २२ |
| ११६ | अग्नेःपक्षातिर्वायोनि | २५ | ४ |
| ५० | अग्नेवृहस्पसामूर्ध्वो | १२ | १३ |
| २० | अग्नेशीरसिस्त्रावेश | ६ | २ |
| ६३ | अङ्गान्यात्मन्भिषजा | १६ | ६३ |
| ९० | अङ्गिरसोनःपितरो | १२ | ५० |
| १५६ | अचिक्रद्वृषाहरिः | ३८ | २२ |
| १२३ | अच्छायमेतिशवसा | २७ | १४ |
| २५ | अच्छिन्नस्यतेदेव | ७ | १४ |
| ५८ | अजस्रमिन्दुम् | १३ | ४३ |
| १११ | अजारेपिशङ्गिला | २३ | ५६ |
| १०६ | अजीजनोहिपवमा | २२ | १८ |
| ५६ | अजोह्येरेजनिष्ठ | १३ | ५१ |
| १२२ | अतिनिहोअतिश्र | २७ | ६ |
| ५३ | अतिदिश्वाःपरिष्ठा | १२ | ८४ |
| १९ | अत्यन्यौरा॥अगान् | ५ | ४२ |
| ७ | अत्रपितरोमादय | २ | ३१ |
| १३० | अत्रार्तरूपमुत्तमम | २६ | १८ |
| १३५ | अथैतानष्टौविरूपा | ३० | २२ |
| १४३ | अदव्येभिःसवितःपायु | ३३ | ६६ |
| १४४ | अदव्येभिःस | ३३ | ८४ |
| ११८ | अदितिद्यौर | २५ | २३ |
| ४३ | अदिष्ट्वादेवी | ११ | ६१ |
| १४ | अदित्यात्त्वगसि | ४ | ३० |
| ६१ | अदित्यास्त्वःपृष्ठे | १४ | ५ |
| १४ | अदित्यास्त्वामूर्धाञ्ज | ४ | २२ |
| ४ | अदित्यैरास्नासिविष्णो | १ | ३० |
| १५५ | अदित्यैरास्नासीन्द्रा | ३८ | ३ |
| ४६ | अदित्यैरास्ना | ११ | ५९ |
| ५ | अदित्यैव्युन्दनमसि | २ | २ |
| ३२ | अदृश्रमस्यकेतवो | ८ | ४० |
| ६२ | अदभ्यःक्षीरंव्यपिवत् | १९ | ७३ |
| १३६ | अदभ्यःसंभृतः | ३१ | १७ |
| १०६ | अदभ्यःस्वाहावार्भ्य | २२ | २५ |
| १४१ | अद्योदेवाउदितसूर्य | ३३ | ४२ |
| ६१ | अधाथानःपितरः | १६ | ६९ |
| ६८ | अधाह्येकृतोर्भद्रत्य | १५ | ४५ |
| १४२ | अधिनइन्द्रैषाम् | ३३ | ४७ |
| ६६ | अधिपन्त्यसिनुहातिदि | १५ | १४ |
| ७१ | अध्यवोचदधिवक्ता | १६ | ५ |
| ६६ | अध्यव्योअद्रिभिः | २० | ३१ |
| ६२ | अनद्वान्वयःपङ्क्ति | १४ | १० |
| १५० | अनद्वान्वयःपङ्क्ति | ३५ | १३ |
| १५३ | अनाष्टृष्टापुरस्ता | ३७ | १२ |
| १२२ | अनाष्टृष्ट्योऽनवेदाः | २७ | ७ |
| १४३ | अनुतेशुष्मन्तुरयन्त | ३३ | ६७ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|------------------------|-----|--------|
| १४३ | अनुतमातेमघवन | ३३ | ७६ |
| १३ | अनुत्वामातामन्यता | ४ | २० |
| १३० | अनुत्वारथोनुमर्थ्यो | २९ | १९ |
| १४६ | अनुनोद्यानुमति | ३४ | ९ |
| १२१ | अनुवीरैरनुपुण्यास्म | २६ | १९ |
| १५६ | अनेजदेकंमनसो | ४० | ४ |
| ५० | अन्तरशेरुचात्वं | १२ | १६ |
| १२९ | अन्तरामित्रावरुणाच | २६ | ६ |
| ९ | अन्तश्चरतिरोचना | ३ | ७ |
| २५ | अन्तस्तेद्यावापृथिवी | ७ | ५ |
| १५९ | अन्धन्तमः प्रविशन्तिये | ४० | ९ |
| १५९ | अन्धन्तमःप्रविशन्ति | | |
| | येऽविद्यां | ४० | १२ |
| ९ | अन्धस्थान्धोवोभक्षीय | ३ | २० |
| ४८ | अन्नपतेअन्नस्य | ११ | ८३ |
| ६२ | अन्नात्परिभ्रुतोरसम् | १९ | ७५ |
| १५६ | अन्यदेवाहुःसंभवात् | ४० | १० |
| १५९ | अन्यदेवाहुर्विद्यया | ४० | १३ |
| ११५ | अन्यवापोअर्द्धमासा | २४ | ३७ |
| ५४ | अन्यावोअन्यां | १२ | ८८ |
| ४४ | अन्वशिरुपसाम | ११ | १७ |
| १४६ | अन्विदनुमतेत्वाम् | ३४ | ८ |
| १५४ | अपइयामगोपा | ३७ | १७ |
| ५८ | अपांगरुभन्सी | १३ | ३० |
| ५९ | अपांत्वेमन् | १३ | ५३ |
| ४५ | अपांपृष्ठमसि | ११ | २९ |
| ५६ | अपांपृष्ठमसि | १३ | २ |
| २१ | अपांपेरुरसि | ६ | १० |
| ९२ | अपांफेनेनमुचेः | १६ | ७१ |
| ३५ | अपाधरसमुद्दय | ९ | ३ |
| १५० | अपाधमपकिन्वि | ३५ | ११ |
| १५५ | अपातामश्विनाघ | ३८ | १३ |
| १४४ | अपाधमदभि | ३३ | ९५ |
| ७६ | अपामिदंन्ययनध | १७ | ७ |
| ३ | अपारसंपृथिव्यै | १ | २६ |
| १११ | अपितेषुत्रिपूपदे | २३ | ५० |
| ५२ | अपेतवीतविचस | १२ | ४५ |
| १४६ | अपेतुयन्तुपण | ३५ | १ |
| ९५ | अपोअद्यान्वच | २० | २२ |
| १९ | अपोदेवामधुमती | १० | १ |
| ४५ | अपोदेवीरुपसृज | ११ | ३८ |
| १४७ | अमस्वतीमश्वि | ३४ | २९ |
| ५१ | अप्स्वग्नेसधिं | १२ | ३६ |
| ३५ | अप्स्वन्तरम् | ६ | ६ |
| ६७ | अवोध्यग्निःसमि | १५ | २४ |
| ७७ | अभिगोत्राखिस | १७ | ३९ |
| १४ | अभित्यंदेनधसवि | ४ | २५ |
| १२४ | अभित्वाशूर | २७ | ३५ |
| १०५ | अभिधाअसिभुक् | २२ | ३ |
| ८० | अभिप्रवन्तसम | १७ | ६६ |
| ४१ | अभिभूरस्ये | १० | २८ |
| १२१ | अभिवज्ञगृणीहि | २६ | २१ |
| १५६ | अभीमंमहिमा | ३८ | १७ |
| १२४ | अभीपुण्यांस | २७ | ४१ |
| ८० | अभ्यर्षतसुष्टुतिं | १७ | ९८ |
| ६५ | अभ्यादधानिसमि | २० | २४ |
| ५४ | अभ्यावर्तस्वपृथि | १२ | १०३ |
| ४४ | अभिरसिनार्यसि | ११ | १० |

| पृ० | अ० मं० |
|--|--------|
| ७८ अमीषांचित्तं | १७ ४४ |
| १२३ अमुत्रभूयादध | २७ ९ |
| १२१ अमेवनःसुहवा | २६ २४ |
| १० अयमग्निःपुरी | ४ ४० |
| ६७ अयमग्निःसहस्रि | १५ २१ |
| १० अयमग्निर्गृहप | ३ ३९ |
| ६६ अयमग्निर्वीरित | १५ ५२ |
| ९ अयमिहप्रथ | ३ १५ |
| १४० अयमिहप्रथमो | ३३ ६ |
| ६७ अयमिहप्र | १५ २६ |
| ६७ अयमुत्तरात्संय | १५ १८ |
| ६७ अयमुपर्यर्वाग् | १५ १६ |
| ६ अयन्तेयोनिर्ऋ | ३ १४ |
| ६९ अयन्तेयोनि | १५ ५६ |
| ५२ अयन्तेयोनि | १२ ५२ |
| ५९ अयंदक्षिणाविश्व | १३ ५५ |
| ६७ अयंदक्षिणाविश्वकर्मा तस्यरथस्वनश्च | १५ १६ |
| १९ अयन्नोअग्निर्वि | ५ ३७ |
| २८ अयन्नोअग्नि | ७ ४४ |
| ६७ अयंपश्चाद्विश्वव्यचस्त- स्यरथप्रो | १५ १७ |
| ५९ अयंपश्चाद्विश्वव्यचास्त- स्यचक्षुर | १३ ५६ |
| ५९ अयंपुरोभुवः | १३ ५४ |
| ९ अयन्तेयोनिर्ऋत्वि | ३ १४ |
| ६९ अयंदक्षिणाविश्वकर्मा तस्यमनो | १३ ५५ |
| ६७ अयंदक्षिणाविश्वकर्मा तस्यरथस्वनश्च | १५ १६ |

| पृ० | अ० मं० |
|--------------------------|--------|
| ६७ अयंपुरोहरिकेशःसू | १५ १५ |
| २५ अयंवाग्मिन्नावरुणा | ७ ६ |
| २५ अयंवेनश्चो | ७ १६ |
| १४३ अयंशसहस्रमृ | ३३ ८३ |
| ५२ अयंशोअग्निर्ग | १२ ४७ |
| ३६ अर्थतस्थ | १० ३ |
| ८६ अर्द्धंऋचैरु | १९ २५ |
| ११० अर्द्धमासाःप | २३ ४१ |
| १३४ अर्धेभ्योहस्ति | ३० ११ |
| ३७ अर्धमणंबृह | ९ २७ |
| १४२ अर्वाञ्चोअद्याभव | ३३ ५१ |
| ७१ अवतत्स्यधनुष्ट्व | १६ १३ |
| ५४ अवपतन्तीरव | १२ ९१ |
| १० अवभृथनिचुम्बु | ३ ४८ |
| ३१ अवभृथनिचुम्बु | ८ २७ |
| ११ अवरुद्रमदीमह | ३ ५८ |
| ७८ अवसृष्टापरा | १७ ४५ |
| ९३ अविनेमेषोन | १९ ९० |
| ४० अवेष्टादन्दशू | १० १० |
| ६७ अवोचामकव | १५ २५ |
| ७५ अश्मन्नूर्जम्पर्व | १७ १ |
| १५० अश्मन्वतीरीयते | ३५ १० |
| ८३ अश्माचमेमृति | १८ १३ |
| ८७ अश्यामतंकाम | १८ ७४ |
| ५३ अश्वत्थेवोनिप | १२ ७९ |
| १४९ अश्वत्थेवो | ३५ ४ |
| ११३ अश्वत्पूरो | २४ १ |
| १५३ अश्वस्यत्वावृष्ट्याः | ३७ ९ |
| ५३ अश्ववर्तीसोमा | १२ ८१ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|--------------------|-----|---------------------|
| १४७ | अश्वत्थिर्गोमतीः | १५८ | असुर्यानामते |
| ९६ | अश्विनाकृतस्य | ७१ | असौयस्ताम्रोअ |
| ९८ | अश्विनागोभिरि | ७८ | असौयासेना |
| १५५ | अश्विनाघर्मपात | ७१ | असौयोवस |
| ९८ | अश्विनातेजसा | ६ | अस्कन्नमद्यदे |
| ९७ | अश्विनानमुचेः | ५१ | अस्ताव्यग्निः |
| ९८ | अश्विनापिवताम् | ७८ | अम्पाकमिन्द्रः |
| ९८ | अश्विनाहविरि | १५० | अस्पात्त्वमधिजा |
| ९७ | अश्विनाभेषजं | ७३ | अस्मिन्महत्यर्ण |
| ९३ | अश्विभ्यांचक्षुर | १४२ | अस्मेरुद्रामेह |
| ४१ | अश्विभ्यांपच्यस्व | ३७ | अस्मेवोअस्तिव |
| १५५ | अश्विभ्यांपिन्वस्व | १ | अस्यप्रत्नामनु |
| ८९ | अश्विभ्यांपातःस | १३६ | अस्याजगसाद्रमां |
| १२९ | अश्वोघृतेन | १४४ | अस्येदिन्द्रोवावृधे |
| १४६ | अपादमयुत्सु | १५४ | अहःकैतुनाजुप |
| ५७ | अपाढासिसह | ४७ | अहरहरमया |
| १४६ | अष्टौव्यख्यत्ककु | १५१ | अहानिशंभवन्तु |
| ७३ | असंख्यातासह | ६८ | अहाव्यग्नेहविरा |
| १०७ | असवेस्वाहावस | १३२ | अहिरिवभोगैः |
| १३० | असियमोअस्या | ११४ | अन्हेपारावताना |
| ५२ | अमुन्वन्तमयज | २ | अद्भुतमसि |

आ

| | | | | | | | |
|-----|-----------------|----|----|-----|--------------------|----|----|
| ४७ | आकृत्तिमग्नि | ११ | ६६ | ४४ | आक्रम्यवाजिन् | ११ | १९ |
| १३ | आकृत्यैप्रयुजेअ | ४ | ७ | ४४ | आगत्यवाव्यध्वा | ११ | १८ |
| १४१ | आकृष्णेनरजसा | ३३ | ४३ | १० | आगन्मविश्ववेदसं | ३ | ३८ |
| १४७ | आकृष्णेनरजसा | ३४ | ३१ | ११२ | आग्नेयःकृष्णग्रीवः | २६ | ५८ |
| १३२ | आक्रन्दयवलमो | २९ | ५६ | ८३ | आग्रयणश्रमैः | १८ | २० |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० | | |
|-----|---------------------|-----|-----|-----|---------------------|----|-----|
| २७ | आघायेमग्निभिः | ७ | ३२ | १२३ | आनोनिद्युद्धिःश | २७ | २८ |
| ११ | आख्याजानुदक्षि | १६ | ६२ | ११७ | आनोभद्राःऋतवो | २५ | १४ |
| ६५ | आच्छच्छन्दः | १५ | ५ | १०० | आनोमित्रावरुणा | २१ | ८ |
| १३२ | आजङ्घन्तिसान्वे | २९ | ५० | १४४ | आनोयज्ञदिवि | ३३ | ८५ |
| ३२ | आजिघ्रकलशं | ८ | ४२ | १३१ | आनोयज्ञभारती | २६ | ३३ |
| १३० | आजुहानईक्ष्योवं | २६ | २८ | ६२ | आन्त्राणिस्थाली | १९ | ८६ |
| ७६ | आजुहानः सुमती | १७ | ७३ | १६ | आपतयेत्रापारिपत | ५ | ५ |
| ६७ | आजुहानासरस्वती | २० | ५८ | ३६ | आपयेस्वाहा | ६ | २० |
| ५१ | आतंभजसौश्र | १२ | २७ | ३४ | आपवस्वहिरण्य | ८ | ६३ |
| १४१ | आतच्छन्द्रायव | ३३ | २८ | १४० | आपश्चित्पिप्युः | ३३ | १८ |
| ८९ | आतिथ्यरूपमा | १९ | १४ | १२ | आपोआस्मान्मात | ४ | २ |
| १४० | आतिष्ठंतंपरि | ३३ | २२ | ५१ | आपोदेवीःप्रतिशुभ् | १२ | ३५ |
| ३२ | आतिष्ठन्नहन् | ८ | ३३ | १२३ | आपोहयवृहतीर् | २७ | २५ |
| १४३ | आतूनइन्द्रवृत्रहस्य | ३३ | ६५ | ४६ | आपोहिष्टामयोभु | ११ | ५० |
| ५५ | आतेवत्सो | १२ | ११५ | १५१ | आपोहिष्टाम | ३६ | १४ |
| २६ | आत्मनेमेवर्चो | ७ | २८ | ५५ | आप्यायत्वमदिन्त | १२ | ११४ |
| ६३ | आत्मक्षुपस्थेनष्ट | १९ | ६२ | ५५ | आप्यायत्वसमेतु | १२ | ११२ |
| १३० | आत्मानंतेमनसा | २६ | १७ | १०६ | आब्रह्मन् ब्राह्मणो | २२ | २२ |
| ४४ | आत्वाजिघर्षि | ११ | २३ | ९७ | आमन्द्रैरिन्द्रहरि | २० | ५३ |
| ५० | आत्वाऽहार्षम | १२ | ११ | ३६ | आमावाजस्यप्रस | ६ | १९ |
| ५८ | आदित्यं गर्भं | १३ | ४१ | १३२ | आमूरज | २६ | ५७ |
| १२६ | आदित्यैर्नोभार | २९ | ८ | ६ | आयज्ञौपृष्णार् | ३ | ६ |
| ७ | आधत्तपितरोग | २ | ३३ | १४० | आयदिशेनृपतिं | ३३ | ११ |
| १४१ | आनइडाभिर्विन्दे | ३३ | ३४ | ९१ | आयन्तुनःपितरःसो | १६ | ५८ |
| ९७ | आनइन्द्रोदूरादान | २० | ४८ | १४४ | आयातमुपभूष | ३३ | ८८ |
| ६७ | आनइन्द्रोहरि | २० | ४९ | ९७ | आयात्विन्द्रोऽत्रव | २० | ४७ |
| ११ | आनएतुमनःपु | ३ | ५४ | १५८ | आयासायस्वा | ३९ | ११ |
| १४८ | आनासत्याग्निभिः | ३४ | ४७ | ६२ | आयुर्मेपाहि | १४ | १७ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------|--------|-------------------------|--------|
| ३६ आयुर्वेदनक | ९ २१ | ४४ आविश्वतःप्रत्यं | ११ २४ |
| ८४ आयुर्वेदनकल्प | १८ २९ | १३ आवोदेवासइ | ४ ५ |
| १०७ आयुर्वेदनक | २२ ३३ | ७७ आशुःशिशानो | १७ ३३ |
| १५० आयुष्मानश्रे | ३५ १७ | ६३ आशुस्त्रवृद्भ्रान्तः | १४ २३ |
| १४८ आयुष्यैवर्च | ३४ ५० | ८९ आश्रावयेति | १६ २४ |
| ६६ आयोद्वासद | १५ ६३ | ८६ आसन्दीरुप | १६ १६ |
| १४७ आरान्निपार्थिवश्र | ३४ ३२ | ६१ आसीनासोअरु | १६ ६३ |
| १४३ आरोदसीअपृ | ३३ ७५ | १४० आसुतेसिञ्च | ३३ २१ |
| ६६ आवाचोमध्य | १५ ५१ | १३१ आसुष्वयन्ती | २९ ३१ |
| २५ आवायोभूष | ७ ७ | ६१ आहंपृतुन् | १९ ५६ |
| ४० आविर्मर्याः | १० ६ | | |

इ

| | | | |
|--------------------|-------|-----------------------|-------|
| १४६ इच्छन्तित्वासो | २४ १८ | ९० इदंइविःप्रजननं | १९ ४८ |
| १० इहपृह्यदित | ३ २७ | ८६ इन्दुर्दत्तःरये | १८ ५३ |
| १५५ इहपृह्य | ३८ २ | ७७ इन्द्रआसनिता | १७ ४० |
| १०० इडाभिरग्नि | २१ १४ | ६६ इन्द्रंदुरःकव | २० ४० |
| ८६ इडाभिर्भक्षाना | १६ २६ | ८० इन्द्रंदैवीविशो | १७ ८६ |
| ५२ इडामग्नेपुरुद | १२ ५१ | ५२ इन्द्रंविश्वाअवी | १९ ५६ |
| १४६ इडायास्त्वाप | ३४ १५ | ६९ इन्द्रंविश्वाअवि | १५ ६१ |
| ३२ इडेरन्तेह | ८ ४३ | ७६ इन्द्रंविश्वाअवि | १७ ६१ |
| २१ इदमापःप्रव | ६ १७ | ६२ इन्द्रःसुत्रामा | १६ ८५ |
| ५६ इदमुत्तरात् | १३ ५७ | ९७ इन्द्रःसुत्रामस्व | २० ५१ |
| ९१ इदंपृतुभ्यानमो | १९ ६८ | १२० इन्द्रगोमन्निहाया | ३६ ४ |
| १३८ इदंमेत्रह्यच | ३२ १६ | १७ इन्द्रघोषस्त्वा | ५ ११ |
| १७ इदंविष्णुर्विच | ५ १५ | २७ इन्द्रमरुत्त्वइहपा | ७ ३५ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० | | |
|-----|----------------------|-----|-----|-----|---------------------|----|-----|
| ३२ | इन्द्रमिद्धरी | ८ | १५ | १४१ | इन्द्रेहिमत्स्य | ३३ | २६ |
| २५ | इन्द्रवायुइमे | ७ | ८ | १५१ | इन्द्रोविश्वस्यरा | ३६ | ८ |
| १४२ | इन्द्रवायुइमे | ३३ | ५६ | १४१ | इन्द्रोवृत्रम | ३३ | २६ |
| १४२ | इन्द्रवायुवृहस्प | ३३ | ४५ | ९ | इन्धानास्तवा | ३ | १८ |
| १४४ | इन्द्रवायुसुसंह | ३३ | ८६ | १५३ | इत्ययग्रेआ | ३७ | ५ |
| ३३ | इन्द्रश्वमरुत | ८ | ५५ | ४१ | इयदस्यायु | १० | २५ |
| ३२ | इन्द्रश्वसम्ना | ८ | ३७ | ६० | इयद्युपरिमाति | १३ | ५८ |
| ११७ | इन्द्रस्यक्रोडो | २५ | ८ | १३ | इयतेयज्ञिया | ४ | १३ |
| ६३ | इन्द्रस्यरूपं | १९ | ९१ | ५४ | इरज्यन्नग्ने | १२ | १०९ |
| १३२ | इन्द्रस्यवज्रो | २९ | ५४ | १७ | इरावतीधेत्तु | ५ | १६ |
| ३५ | इन्द्रस्यवज्रोऽसि | ६ | ५ | १५० | इमंजीविभ्यःपरि | ३५ | १५ |
| ४१ | इन्द्रस्यव | १० | २१ | ३८ | इमं देवा असपत्न | ६ | ४० |
| ७८ | इन्द्रस्यवृष्णो | १७ | ४१ | ४७ | इमं देवा | १० | १८ |
| १८ | इन्द्रस्यस्यूर | ५ | ३० | ४३ | इमं नो देवस | ११ | ८ |
| १५३ | इन्द्रस्यौजःस्थ | ३७ | ६ | ५९ | इमं माहिःसि | १३ | ४८ |
| १४४ | इन्द्राग्नीअपा | ३३ | ६३ | ५८ | इमं माहिःसीर्द्विवा | १३ | ४७ |
| ६२ | इन्द्राग्नीअव्य | १४ | ११ | ९९ | इमं मेवरुणः | २१ | १ |
| २७ | इन्द्राग्नीआगतं | ७ | ३१ | ५६ | इमं साहसं शतधा | १३ | ४६ |
| १४२ | इन्द्राग्नीमित्राव | ३३ | ४९ | ८० | इमं शस्तनमूर्जस्वं | १७ | ८७ |
| ११६ | इन्द्राग्न्योपत्त | २५ | ५ | ५६ | इमामूर्खार्युं | १३ | ५० |
| २२ | इन्द्रायत्वावसु | ६ | ३२ | १४३ | इमा उतत्वापुरुव | ३३ | ८१ |
| १५५ | इन्द्रायत्वा | ३८ | ८ | १४१ | इमान्तेधियं प्रभ | ३३ | २६ |
| १२० | इन्द्रायाहिवृ | २६ | ५ | १४८ | इमा गिरा गिरादि | ३४ | ५४ |
| ६८ | इन्द्रायाहिचित्रभानो | २० | ८७ | १३० | इमा तेवा जिन्नव | २९ | १६ |
| ६८ | इन्द्रायाहितुजान | २० | ८६ | ११६ | इमानु कंभुवना | २५ | ४६ |
| ९८ | इन्द्रायाहिधियोपितो | २० | ८८ | १०५ | इमामगृभ्यन् | २२ | २ |
| ६७ | इन्द्रायेन्दुं सरस्व | २० | ५७ | ७५ | इमामेअग्निइष्ट | १७ | २ |
| ७८ | इन्द्रेमम्पतरां | १७ | ५१ | ७३ | इमारुद्रायतव | १६ | ४८ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|--------------------------|----|-----|---------------------|----|-----|
| ८६ इमौतेपक्षावज | १८ | ५२ | ५८ इपेरायेरमस्व | १३ | ३५ |
| १११ इयवेदिःपरोअन्तः | २१ | ६२ | ५५ इष्कर्तारमध्व | १२ | ११० |
| ५४ इपमूर्जमहमित | १२ | १०५ | ५३ इष्कृतिर्नामवोमा | १२ | ८३ |
| ६२ इपश्चोर्जश्च | १४ | १६ | ८६ इण्टोअग्निराहु | १८ | ५७ |
| ८५ इपिरोत्रिश्वव्य | १८ | ४१ | ८६ इण्टोयहोभृगु | १८ | ५६ |
| २ इपेत्वोर्जेत्वावा | १ | १ | ३३ इहरतिरिहरम | ८ | ५१ |
| १५५ इपेपिन्वस्वोर्जेपन्व | ३८ | १४ | १२२ इह्वान्नेअधि | २७ | ४ |

इ

| | | | | | |
|-----------------------|----|----|------------------------|----|----|
| ६६ ईडितोदेवैर्हरि. | २० | ३८ | १३० ईर्मान्तासःसिलिकम् | २९ | २१ |
| ८० ईदक्षासएतादक्षास | १७ | ८४ | ११४ ईशानायपरस्व | २४ | २८ |
| ७९ ईदद्वचान्यादद्व | १७ | ८१ | १५८ ईशावास्यमिद | ४० | १ |
| १२९ ईड्यश्चासिबन्धश्च | २९ | ३ | | | |

उ

| | | | | | |
|------------------------|----|----|--------------------------|----|-----|
| १४३ उक्थेभिर्वृत्रहन्त | ३३ | ७६ | ३६ उतस्मास्थद्रव. | ९ | १५. |
| ४४ उखांकृषोतृशक्त्या | ११ | ५७ | १४६ उक्तानायावभरा | ३४ | १४ |
| ७८ उक्षासमुद्रोअरु | १७ | ६० | १४८ उच्छिष्टन्नह्यास्पते | ३४ | ५६. |
| १५७ उग्रंलोहिते | ३९ | ६ | ३२ उच्छिष्टनोजसा | ८ | ३६ |
| १५७ उग्रश्चभीम | ३६ | ७ | १४७ उतेदानीम्भगवन्तः | ३४ | ३७ |
| १४२ उग्राविघनिना | ३३ | ६१ | ११४ उत्काःसञ्चराएता | २४ | १५ |
| १२१ उच्चातेजातमं | २६ | १६ | ११४ उत्काःसञ्चराएता | २४ | १७ |
| ५३ उच्छुष्माओषधी | १२ | ८२ | ११४ उत्काःसञ्चराएताःशु | २४ | १६ |
| १४८ उतनोऽहिर्वुध्यः | ३४ | ५३ | ४४ उत्क्राममहते | ११ | २१ |

| पृ० | अ० | मं० |
|-----|----------------------|-------|
| ४७ | उत्थायवृहती | ११ ६४ |
| ११० | उत्सवध्याऽवगुर्दधेहि | २३ २१ |
| १३४ | उत्सादेभ्यःकञ्जम | ३० १० |
| ४४ | उदक्रमीद्द्रवि | ११ २२ |
| ५७ | उदग्नेतिष्ठप्रत्या | १३ १२ |
| १८ | उद्विच०स्तभाना | ५ २७ |
| ४० | उदीचीमारोहा | १० १३ |
| ६० | उदीरतामव | १६ ४६ |
| ४५ | उदुतिष्ठ | ११ ४१ |
| ५० | उदुत्तमंवरुण | १२ १२ |
| २७ | उदुत्यंजातवेद | ७ ४१ |
| ३२ | उदुत्यं | ८ ४१ |
| १४१ | उदुत्यंजातवेद | ३३ ३१ |
| ५१ | उदुत्वाविश्वेदे | १२ ३१ |
| ७८ | उदुत्वाविश्वेदे | १७ ५३ |
| ७८ | उदेनमुत्तरां | १७ ५० |
| ४७ | उदेर्पावाहू | ११ ८२ |
| ७९ | उद्ग्राभंचनि | १७ ६४ |
| ७८ | उद्दर्पयमघ | १७ ४२ |
| ६६ | उद्बुध्यस्वाग्ने | १५ ५४ |
| ८६ | उद्बुध्यस्वा | १८ ६१ |
| ९५ | उद्द्वयंतमसम् | २० २१ |
| १२३ | उद्द्वयंतमसम् | २७ १० |
| १५० | उद्द्वयंतमसम् | ३५ १४ |
| १५६ | उद्द्वयंतमसम् | ३८ २४ |
| ११३ | उन्नतन्नपभो | २४ ७ |
| ७९ | उपज्मघ्नपवे | १७ ६ |
| ९ | उपत्वाअग्नेहवि | ३ ४ |
| १४३ | उपनःसूनवोगि | ३३ ७७ |

| पृ० | अ० | मं० |
|-----|------------------------|-------|
| ६ | उपप्रयन्तो | ३ ११ |
| १३० | उपप्रागाच्छ | २९ २३ |
| १३० | उपप्रागात्परां | २९ २४ |
| ११८ | उपप्रागात्सुमन | २५ ३० |
| २६ | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | ध्रुवोऽसि | ७ २५ |
| १०८ | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | प्रजापत | २३ २ |
| १०९ | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | प्रजापत | २३ ४ |
| ३० | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | वृहस्पति | ८ ९ |
| २६ | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | मघवेत्वो | ७ १० |
| ३० | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | सावित्रो | ८ ७ |
| ३० | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | सुशर्मा | ८ ८ |
| ३० | उपयामगृहीतोऽसि | |
| | हरिरसि | ८ ११ |
| २६ | उपयामगृहीतोऽसीन्द्राय | ७ २२ |
| ३३ | उपयामगृहीतोऽस्यग्ने | ८ ४७ |
| २५ | उपयामगृहीतोऽस्यन्तर | ७ ४ |
| ९६ | उपयामगृहीतोऽस्य- | |
| | श्विभ्यां | २० ३३ |
| २६ | उपयामगृहीतोऽस्या- | |
| | ग्रयणो | ७ २० |
| ३० | उपयामगृहीतोऽस्यादित्ये | १ |
| ८८ | उपयामगृहीतोऽस्या- | |
| | श्विनं | १६ ८ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|----------------------|--------|---------------------|--------|
| १३२ उपश्वासयपृथि | २९ ५५ | १६ उरुविष्णोविक्रम | ५ ३८ |
| १० उपहृताइहगाव | ३ ४३ | १६ उरुविष्णोविक्रम | ५ ४१ |
| ६१ उपहृताःपितरःसो | १९ ५७ | ३३ उशिक्ष्वंदेवसो | ८ ५० |
| ६ उपहृतोद्यौषितो | २ ११ | ५१ उशिक्षपावको | १२ २४ |
| १२१ उपहरोगिरीणां | २६ १५ | १८ उशिगसिऋवि | ५ ३२ |
| १३१ उपावसृजत्तमन्या | २६ ३५ | ६२ उशन्तभ्रवानिधी | १६ ७० |
| २१ उपावृरिस्थु | ६ ७ | १४७ उपास्तच्चित्रमा | ३४ ३३ |
| १३२ उपास्मैगायतान | ३३ ६२ | ९७ उपासानक्तम | २० ६१ |
| १४७ उभापिचतमश्विनो | ३४ २८ | ६६ उपासानक्तावृह | २० ४१ |
| ६० उभाभ्यांदेवसवि | १९ ४३ | १०० उपेयहीनुपे | २१ १७ |
| ९ उभावाभिन्द्राग्नी | ३ १३ | १४ उस्नावेतं | ४ ३३ |
| ६८ उभेसुरचन्द्रसर्पि | १५ ४३ | | |

ऊ

| | | | |
|-------------------|--------|------------------------|-------|
| ८२ ऊर्क्चमेसूनुता | १८ ६ | ११० ऊर्ध्वमेनसु | ३३ २७ |
| १३ ऊर्जात्याङ्गिर | ४ १० | ११० ऊर्ध्वमिनासुच्छापय | २३ २६ |
| ७ ऊर्जवहन्तीरमृतं | २ ३४ | १२३ ऊर्ध्वस्यसामिधो | २७ ११ |
| ५४ ऊर्जोनिपाज्जा | १२ १०८ | ४० ऊर्ध्वमारोह | १० १४ |
| १२४ ऊर्जोनिपातंस | २७ ४४ | ५७ ऊर्ध्वोभवप्रति | १३ १३ |
| ४५ ऊर्ध्वऊषु | ११ ४२ | | |

ऋ

| | | | |
|--------------------|-------|-------------------|-------|
| १३ ऋक्सामयोयोशि | ४ ६ | १५३ ऋजवेत्वासाधवे | ३७ १० |
| १५१ ऋचंवाचंपपद्ये | ३६ १ | १३२ ऋजीतेपरिचु | २६ ४९ |
| ५८ ऋचेत्वारुचेत्वा | १३ ३९ | ८२ ऋतञ्चमेऽमृतं | १८ ६ |
| ८६ ऋचोनामास्मियजु | १८ ६७ | ४५ ऋतथसत्यमृतं | ११ ७४ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|---------------|-----|---------------|
| ८० | ऋतजिज्ञसत्य | ५५ | ऋतावानंमहि |
| १३४ | ऋतयेस्तेनहृद् | १२० | ऋतावानंवेश्वा |
| ११० | ऋतवस्तऋतु | ८५ | ऋतापादुऋतधा |
| १२१ | ऋतवस्तयेर्षं | ६७ | ऋतुधेन्द्रोवन |
| ७६ | ऋतवःस्थऋता | १४४ | ऋयगिन्यास |
| ८० | ऋतश्चसन्वश्च | | |

ए

| | | | | | | | |
|-----|-----------------|----|----|-----|--------------------|----|----|
| १२४ | एकयाचदश | २७ | १३ | १५६ | एषोअस्यधि | ३८ | २५ |
| ६३ | एकयास्तुवतम | ४१ | २८ | १२१ | एनाविस्वान्य | २६ | १८ |
| ११६ | एकस्त्वष्टुरश्च | २५ | ४२ | ६८ | एनावोअग्निंनम | १५ | ३२ |
| १०७ | एकस्मैत्याहा | २२ | ३१ | ६८ | एभिर्तोअर्केर्ष | १५ | ४६ |
| ८४ | एकाचमेतिस्रश्च | १८ | २४ | ६५ | एवश्चन्द्रोवरेव | १५ | ४ |
| ३१ | एजतुद्रशमा | ८ | २८ | ६७ | एवेदिन्द्रं वृषणम् | २० | ५४ |
| ११५ | एययद्योमएदृक्ता | २४ | ३६ | ११८ | एपद्गानःपुरोअश्वे | २५ | २६ |
| ११ | एतत्तेरुद्राश्च | ३ | ६१ | १४ | एपतेगायत्रोभाग | ४ | २४ |
| ८० | एताअर्षन्तिहृद् | १७ | ९३ | ३७ | एपतेनिऋतेभा | ६ | ३५ |
| १२३ | एताश्चःसुभगा | २९ | ५ | ११ | एपतेरुद्रभागः | ३ | ५७ |
| ११३ | एताऐन्द्राअग्ना | २४ | ८ | १४८ | एपवस्तोमोम | ३४ | ४८ |
| ६० | एतावद्रूपंय | १६ | ३१ | ३६ | एपस्यवाजी | ९ | १४ |
| १३५ | एतावानस्यम | ३१ | ३ | ६ | एपातेअग्नेसामि | २ | १४ |
| ८६ | एतंजानाद्यपर | १८ | ६० | १३ | एपातेशुक्रतनुः | ४ | १७ |
| ६ | एतंतेदेवसवि | २ | १२ | ३६ | एषावःसासत्या | ९ | १२ |
| ८६ | एतंसधस्यपरि | १८ | ५६ | १३७ | एषोहृदेवःमहि | ३२ | ४ |
| १२ | एद्रमगन्मदेव | ४ | १ | १२१ | एषुपुत्रवाणि | २६ | १३ |
| ६५ | एषोऽस्येधिशी | २० | २३ | २२ | ऐन्द्रः प्राणो | ६ | २० |

श्री

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------|--------|-------------------|--------|
| ८२ श्रीजश्वमेसह | १८ ३ | ५४ श्रोपधयःसं | १२ ६६ |
| ५७ श्रीमासश्चर्ष | ७ ३३ | ५३ श्रोपधीःप्रति | १२ ७७ |
| ४५ श्रोपधयःप्रति | ११ ४८ | ५३ श्रोपधीरितिमात | १२ ७८ |

क

| | | | |
|---------------------|-------|--------------------------|-------|
| ३३ ककुभंश्रुपं | ८ ४६ | १०६ कायश्वाहाकर्म | २२ २० |
| १११ कत्यस्यविष्ठाःक | २३ ५७ | २१ कार्पिरसि | ६ २८ |
| ३० कदाचनप्रयु | ८ ३ | १४३ काव्ययोरानि | ३३ ७२ |
| १० कदाचनस्तरी | ३ ३४ | १०६ कास्विदासीत्पूर्व | २३ ११ |
| ३० कदाचनस्तरी | ८ २ | १११ कास्विदासीत्पूर्व | २३ ५३ |
| ८० कन्याइववहतु | १७ ९७ | १११ किंश्चित्सूर्यसमं | २३ ४७ |
| १५१ कयात्वंनऊत्या | ३६ ७ | ७६ किंश्चिदासीदधि | १७ १८ |
| १२४ कयानश्चित्रत्रा | २७ ३६ | ७६ किंश्चिद्धनंकज | १७ २० |
| १५१ कयान | ३६ ४ | १ कुक्कुटोसिमधु | १ १६ |
| १४६ कल्पतांतिदिश | ३५ ६ | १४१ कुतस्त्वामिन्द्रमाहि | ३३ २७ |
| ६७ कवण्योनव्यच | २० ६० | ९२ कुम्भोवानि | १९ ८७ |
| ११० कस्त्वाच्चयति | १३ ३६ | १५८ कुर्वन्नेवेहक | ४० २ |
| २ कस्त्वायुनक्ति | १ ६ | ६१ कुलायिनीघृत् | १४ २ |
| ६ कस्त्वाविमुञ्चति | २ २३ | ४१ कुविदङ्गयव | १० ३२ |
| १२४ कस्त्वासत्योम | २७ ४० | ८८ कुविदङ्गयव | १९ ६ |
| १५१ कस्त्वासत्योम | ३६ ५ | ११० कुविदङ्गयव | २३ ३८ |
| १११ कार्दमरेपि | २३ ५५ | ५६ कृणुष्वपाजः | १३ ६ |
| ५७ काण्डात्काण्डा | १३ २० | ११३ कृष्णग्रीवाश्रग्ने | २४ ६ |
| ५३ कामंकामंदु | १२ ७२ | ११३ कृष्णग्रीवाश्रग्ने | २४ ९ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|----------------------|--------|-----------------------|--------|
| ११३ कृष्णग्रीवाआग्ने | २४ १४ | १११ कःस्विदेकाकीच | २३ ४५ |
| ११३ कृष्णाभौमाधूम्रा | २४ १० | १०६ कःस्विदेकाकी | २३ ६ |
| ५ कृष्णोअस्याखरे | २ १ | ७६ क्रमध्वमग्निना | १७ ६५ |
| १३१ केतुकृएवन्नके | २६ ३७ | १५० ऋव्यादमग्निम | ३५ १६ |
| १११ केश्वन्तःपुरुष | २३ ५१ | १५६ क्षत्रस्यत्वापर | ३८ १६ |
| १११ कोअस्येवेदभुव | २३ ५६ | ९४ क्षत्रस्ययोनिर | २० १ |
| २८ कोदात्कस्मादा | ७ ४८ | ४० क्षत्रस्योत्वमसि | १० ८ |
| ९४ कोऽसिकतमोऽसि | २० ४ | १२२ क्षत्रेणाग्नेस्वा | २७ ५ |
| २६ कोऽसिकतमोऽसिकस्या | ७ २६ | ६८ क्षपोराजन् | १५ ३७ |

ख

| | |
|------------------|-------|
| ११५ खङ्गोवैश्वदे | २४ ४० |
|------------------|-------|

ग

| | | | |
|-------------------------|-------|--------------------|-------|
| १०६ गणानांत्वागण | २३ १९ | १४३ गावत्पावता | ३३ ७१ |
| ५ गन्धर्वस्त्वाविश्वा | २ ३ | १० गृहामाविभी | ३ ४१ |
| ५१ गर्भोअस्योष | १२ ३७ | ७७ गोत्रभिदंगो | १७ ३८ |
| १५४ गर्भोदेवानांपि | ३७ १४ | ९७ गोभिर्नसोम | २० ६६ |
| ११० गायत्रीत्रिष्टुब्जग | २३ ३३ | ६८ गोमदूषुणा | २० ८१ |
| ३ गायत्रेणत्वाङ्गन्द | १ २७ | ३५ ग्रहाऊर्जाहुत | ९ ४ |
| १५५ गायत्रंछन्दोअसि | ३८ ६ | १०० ग्रीष्मेणञ्चतु | २१ २४ |
| १४० गावत्पावता | ३३ १६ | | |

घ

| | | | |
|----------------------|-------|----------------|------|
| १५६ घर्मेतत्तेपुरीषं | ३८ २१ | ६ घृताचीस्थो | २ १६ |
| १४७ घृतवतीभुव | ३४ ४५ | ५ घृताच्यसिञ्ज | २ ६ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------|--------|----------------|--------|
| ५३ घृतेनसीता | १२ ७० | २१ घृतंघृतपा | ६ १६ |
| २१ घृतेनाक्तौ | ६ ११ | ८० घृतंमिमिञ्च | १७ ८८ |
| १२६ घृतेनाञ्जन्त | २६ २ | | |

च

| | | | |
|-----------------------|-------|--------------------|-------|
| ७७ चक्षुषःपिता | १७ २५ | १७६ चित्तिलुहोमि | १७ ७८ |
| ८५ चतस्रश्चमे | १८ २५ | १३ चित्पतिर्मापुना | ४ ४ |
| १५६ चतुःसक्तिर्ना | ३८ २० | ५८ चित्रंदेवानामु | १३ ४६ |
| ३४ चतुःसिंशत् | ८ ६१ | २७ चित्रंदेवानामु | ७ ४२ |
| ११६ चतुःसिंशद्वाजिनो | ५५ ४१ | ५२ चिदसितयादेव | १२ ५३ |
| ८० चत्वारिभृङ्गात्र | १७ ९१ | १३ चिदसिमनासि | ४ १९ |
| १४४ चन्द्रमाअप्स्वन्त | ३३ ६० | ९८ चोदयित्रीसूत्र | २० ८५ |
| १३६ चन्द्रमामनसोजा | ३१ १२ | | |

ज

| | | | |
|--------------------|-------|---------------------|-------|
| ३ जनयत्यैत्वा | १ २२ | १३१ जीमूतस्येव | २६ ३८ |
| ६७ जनस्यगोपाञ्ज | १५ २७ | ६६ जुषाणोवर्हि | २० ३९ |
| १४३ जनिष्ठाऽग्रःसह | ३५ ६४ | ८२ ज्यैष्ठ्यंचमआधिप | १८ ४ |
| ३६ जवोयस्तेवाजिन् | ६ ६ | १८ ज्योतिरसिविधवरु | ५ ३५ |
| ९४ जिह्वामेभद्रं | २० ६ | | |

त

| | | | |
|-----------------------|-------|-------------------|-------|
| ७७ तत्रायजन्त | १७ २८ | १३३ तत्सवितुर्वरे | ३० २ |
| १५२ तच्चक्षुर्देवहितं | ३६ २४ | १०५ तत्सवितुर्व | २२ ९ |
| १३६ ततोविराडजाय | ६१ ५ | ८५ तत्त्वायामि | १८ ४९ |
| १० तत्सवितुर्वरेण्यं | ३ ३५ | १०० तत्त्वायामि | २१ २ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------|--------|----------------------------|--------|
| १४१ तत्सूर्यस्यदेव | ३३ ३७ | १३० तवशरीरंपत | २६ २२ |
| ६२ तदश्विना | १६ ८२ | १२१ तवायंसोमस्त्व | २६ २३ |
| ६२ तदस्यरूपम | १६ ८१ | ४६ तस्मात्प्ररङ्गमाम | ११ ५२ |
| १४३ तदिदासभुव | ३३ ८० | १५१ तस्मात्प्ररङ्गमाम | ३६ १६ |
| १५६ तदेजनितत्रै | ४० ५ | १३६ तस्मादश्वजा | ३१ ८ |
| १३७ तदेवाग्निस्त | ३२ १ | १३६ तस्माद्यज्ञात्सर्वहु | |
| १४७ तद्विमासोविप | ३४ ४४ | तत्रचः ३१ ७ | |
| २१ तद्विष्णोपरमं | ६ ५ | १३६ तस्माद्यज्ञात्सर्वहुतः | |
| १०० तनूगपाच्छुचि | २१ १३ | संभृतं ३१ ६ | |
| १३० तनूनपात्पथञ्च | २६ २६ | ९७ तस्यवयंसुमतौ | २० ५२ |
| १२३ तनूनपादसुरो | २७ १२ | १३ तस्यास्तेसत्य | ४ १८ |
| ६ तनूपाअग्नेअसि | ३ १७ | ६९ ताअस्यसूदं | १५ ६० |
| ६७ तनूपाभिपजा | २० ५६ | ५२ ताअस्यसूदं | १२ ५५ |
| ६६ तन्तुनारायस्पोपेण | १५ ७ | ११० ताजभौचतुरः | २३ २० |
| १२३ तन्नस्तुरीपम | २७ २० | ६८ तानआवोद्गमश्चि | २० ८३ |
| ११७ तन्नोवातोमयो | २५ १७ | ११७ तानपूर्वया | २५ १६ |
| १४१ तन्मित्रस्यवरुण | ३३ ३८ | ९८ तानासत्यासु | २० ७४ |
| ६९ तपश्चतपस्यश्च | १५ ५७ | ६८ ताभिषजासुक | २० ७५ |
| १३३ तपसेकौलालं | ३० ७ | १४३ तिरश्चीनोवित | ३३ ७४ |
| १५८ तपसेस्वाहात | ३६ १२ | १०० तिस्रइडासरस्व | २१ १६ |
| १७ तम्लायनीमे | ५ ९ | ६७ तिस्रस्त्रेधासरस्व | २० ६३ |
| ७७ तमिद्गर्भप्रथ | १७ ३० | ९६ तिस्रोदेवीर्हवि | २० ४३ |
| ६८ तमिन्द्रंपशवः | २२ ६६ | १३१ तीब्रान्धोपान् | २६ ४४ |
| ११७ तमीशानंजगत | २५ १८ | ५५ तुभ्यंताअङ्गिर | १२ ११६ |
| ४५ तमुत्त्वादध्यङ् | ११ ३३ | १२३ तेअस्ययोषणे | २७ १७ |
| ४५ तमुत्त्वापाध्योष्ट | ११ ३४ | १३१ तेआचरन्तीसम | २६ ४१ |
| १४१ तरणीर्विश्वद | ३३ ३६ | ६३ तेजःपशूनांहवि | १९ ९५ |
| ६७ तवभ्रह्मासआशु | १३ १० | ८९ तेजोऽसितेजो | १९ ६ |
| १२४ तववायवृतस्य | २७ ३४ | १०५ तेजोऽसिशुक्रम | २२ १ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|-----|--------------------|-----|----------------------|
| ३६ | तेनोअर्वन्तो | १४६ | त्वमग्नेमथमोअं |
| १० | तेहिपुत्रासोअ | १३ | त्वमग्नेत्रंतपाअसि |
| १० | तंत्वाशोचिष्ठः | २३ | त्वमङ्गमशंसिपो |
| ६ | तंत्वासमिन्द्रिरं | १४३ | त्वमिन्द्रमत् |
| ६८ | तंपत्नीभिरनुग | १४६ | त्वमिमामाश्रोपधी |
| २५ | तंपत्नथा | ५४ | त्वमुत्तमास्योप |
| १३६ | तंयज्ञंविहिं | १४६ | त्वन्नोअग्नेतव |
| १२१ | तंवादस्म | १०० | त्वन्नोअग्नेवरुण |
| ७६ | तांसवितुर्वरेण्य | ५६ | त्वैयविष्टदाशु |
| ९५ | त्रयादेवाएका | ८७ | त्वयंविष्टदाशु |
| ६७ | त्रातारमिन्द्रं | ६१ | त्वंसोमपितृभि |
| ९ | त्रिंशद्दामविराज | ६१ | त्वंसोमपचिकि |
| ८० | त्रिधाहितंप | ६१ | त्वयाहिनःपित |
| १३५ | त्रिपादूर्ध्वउदै | १०० | त्वष्टातुरीपो |
| ६६ | त्रिवृदसित्रिवृ | ९६ | त्वष्टादधळुष्म |
| १३० | त्रीणितआहुर्दिवि | १२९ | त्वष्टावीरंदेवका |
| १४७ | त्रीणिपदाविचक्र | ६७ | त्वामग्नेअङ्गिरसो |
| १४० | त्रीणिशतात्रिसह | ६७ | त्वामग्नेपुष्करादध्य |
| ५८ | त्रिन्तूसमुद्रान्त | ५१ | त्वामग्नेयजमा |
| ११ | त्र्यम्बकंयजामहे | १२२ | त्वामग्नेवृणते |
| ११३ | त्र्यवयोगायत्र्यै | १०४ | त्वामद्यऋषआर्षे |
| ८४ | त्र्यविश्वमे | १२४ | त्वामिद्विहवा |
| ११ | त्र्यायुषंजमदग्ने | ५४ | त्वांगन्धर्वा |
| ९१ | त्वमग्नेईडितःक | ६८ | त्वांचित्रश्रवस्त |
| ४४ | त्वमग्नेद्युभि | १४० | त्वांहिमन्द्रतम |
| | | १४० | त्वैअग्नेस्वाहुत |

द

४७ दक्षिणामांलि

११ ७८

११० दधिक्राव्णोअका

२३ ३२

४० दक्षिणामारोह

१० ११

१४२ दसायुवाकवः

३३ ५८

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० |
|--------------------------|----|-----|--------------------------|----|-----|
| १५७ दिग्भ्यःस्वाहा | ३६ | २ | २ देवस्यत्वासवितुःप्रस | १ | १० |
| १३२ दिवःपृथिव्याः | २६ | ५३ | १७ देवस्यत्वासवितुःप्रस | ५ | २२ |
| ५० दिवस्पृथिव्यः | १२ | १८ | १८ देवस्यत्वासवितुः | ५ | २६ |
| १५५ दिविघाङ्गयज्ञं | ३८ | ११ | २० देवस्यत्वासवितुः | ६ | १ |
| १४४ दिविगृष्टोश्चरोच | ३३ | ६२ | २१ देवस्यत्वासवितुः | ६ | ६ |
| ७ दिविविष्णुर्व्यक्र | २ | २५ | २२ देवस्यत्वासवितुः | ६ | ३० |
| ८६ दिवोमूर्द्धासि | १८ | ५४ | ३ देवस्यत्वासवितुः | १ | २४ |
| १७ दिवोवाविष्णु | ५ | १९ | १५५ देवस्यत्वासवितुः | ३८ | १ |
| ८२ दीक्षायैरूपम् | १२ | १३ | ४४ देवस्यत्वासवितुः | ११ | ९ |
| ५४ दीर्घायुस्तश्चोप | १२ | १०० | ४४ देवस्यत्वासवितुः | ११ | २८ |
| १०० दुरोदेशीर्दिशो | २१ | १६ | ८५ देवस्यत्वासवितुः | १८ | ३७ |
| ४७ दृष्टं ह्रस्वदेवि | ११ | ६९ | ९४ देवस्यत्वासवितुः | २० | ३ |
| १५२ दृतेदृष्टं हमा | ३६ | १८ | ३७ देवस्यत्वासवितुःप्रस | ९ | ३० |
| ४६ दृशानोरुक्म | १२ | १ | ३८ देवस्यत्वासवितुः | ९ | ३८ |
| ५१ दृशानोरुक्म | १२ | २५ | ३ देवस्यत्वासवितुः | १ | २१ |
| ६२ दृष्टापरिस्तुतो | १६ | ७६ | १०५ देवस्यत्वासवितुर्मति | २२ | १४ |
| ६२ दृष्ट्वारूपेव्याकरो | १९ | ७७ | ३६ देवस्याहृष्टसवि | ९ | १० |
| १०३ देवइन्द्रो नराशंस | २१ | ५५ | ३६ देवस्याहृष्टसवि | ९ | १३ |
| १०३ देववर्हिर्वारितीनाम् | २१ | ५७ | ७९ देवहूर्यज्ञश्चाच | १७ | ६२ |
| १२६ देववर्हिर्वारि | २८ | २१ | ३१ देवागातुवि | = | २१ |
| ३१ देवकृतस्येन | = | १३ | १०३ देवादेवानांभि | २१ | ५३ |
| १७ देवधुतां देवे | ५ | १७ | १२६ देवादैव्याहोता | २८ | १७ |
| ३५ देवसवितःप्रसु | ९ | १ | १२७ देवादैव्याहोतारादेव | २८ | ४० |
| ४३ देवसवितःप्रसु | ११ | ७ | ११७ देवानांभद्रासुग | २५ | १५ |
| १३३ देवसवितःप्रसु | ३० | १ | ३४ देवान्दिवमगन् | = | ६० |
| १६ देवसवितरेप | ५ | ३६ | =९ देवायज्ञमत | १६ | १२ |
| ४७ देवस्त्वासवि | ११ | ६३ | १४४ देवासोहिष्मा | ३३ | ९४ |
| १०६ देवस्यचेततो | २२ | ११ | १२७ देवीउपासानक्तादेव | २८ | ३७ |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|-----|--------------------------------|-----|------------------------------|
| १२६ | देवीउपासानक्तेन्द्रं २८ १४ | १२८ | देवोवनपतिदेवमिन्द्रं २८ ४३ |
| १०३ | देवीउपासावशिवना २१ ५० | १५३ | देव्योवभ्यो ३७ ४ |
| १०३ | देवीऊर्जाहुती २१ ५२ | १४४ | देवंदेवांशोअव ३३ ६१ |
| १२६ | देवीऊर्जाहुती २८ १६ | १०३ | देवंवर्हिंसरस्व २१ ४८ |
| १२७ | देवीऊर्जाहुती २८ ३९ | १२६ | देवंवर्हिरिन्द्रमुदेवं २८ १२ |
| १०३ | देवीजोष्ट्रीसरस्वती २१ ५१ | १२७ | देवंवर्हिनयोधसं २८ ३५ |
| १२६ | देवीजोष्ट्रीवमुध २८ १५ | १२८ | देवंवर्हिर्वागितीनां २८ ४४ |
| १२७ | देवीजोष्ट्रीवमुध २८ ३८ | १०३ | देवंवर्हिवारितीनाम २१ ५७ |
| १५३ | देवीद्यावापृ ३७ ३ | ११ | देहिमेददामिते ३ ५० |
| ३१ | देवीरापःपवो ८ २६ | ११० | देव्याध्वर्यव २३ ४२ |
| २१ | देवीरापःशुधा ६ १३ | ९६ | देव्यामिमाना २० ४२ |
| २२ | देवीरापोअपां ६ २७ | ७८ | देव्यायध्वत्रे १७ ५६ |
| १२६ | देवीद्वारइन्द्रं २८ १३ | १४३ | देव्यावध्वर्युश्चा ३३ ७३ |
| १०३ | देवीद्वारोअशिव २१ ४९ | १४१ | देव्यावध्वर्युश्चाग ३३ ३३ |
| १२७ | देवीद्वारोवयोध २८ ३६ | १२३ | देव्याहोताराजध्वं २७ १८ |
| १२६ | देवीस्तिस्रस्तिस्रोदेवीः २८ १८ | १३१ | देव्याहोताराप्रथमा २६ ३२ |
| १०३ | देवीस्तिस्रस्तिस्रोदेवीः २१ ५४ | १०० | देव्याहोताराभिषजे २१ १८ |
| १२८ | देवीस्तिस्रस्तिस्रो २८ ४१ | १९ | घांमालेखी ५ ४३ |
| १४६ | देवेननोमनसा ३४ २३ | १४७ | द्युभिरक्तुभिः ३४ ३० |
| १४२ | देवेभ्योहिप्रथम ३३ ५४ | १५१ | द्यौशान्तिरन्त ३६ १७ |
| १०३ | देवोअग्निःस्विष्ट २१ ५८ | १११ | द्यौरासीत् २३ ५४ |
| १२८ | देवोअग्निःस्विष्ट २८ ४५ | १०९ | द्यौरासीत् २३ १२ |
| १२६ | देवोअग्निस्विष्ट २८ ४५ | १११ | द्यौस्तेपृथिव्यन्त २३ ४३ |
| १०३ | देवोदेवैर्वनस्पति २१ ५६ | ४४ | द्यौस्तेपृष्ठं ११ २० |
| १२६ | देवोदेवैर्वनस्पति २८ २० | ५६ | द्रप्सश्चस्कन्द १३ ५ |
| १२८ | देवोनराशंसोदेवमिन्द्रं २८ ४२ | १२१ | द्रविणोदाःपिपी २६ २२ |
| | | ७३ | द्रापेअन्धसस्पते १६ ४७ |
| | | ९५ | द्रुपदादिवमुमु २० २० |
| | | ४७ | द्वयःसर्पिरा ११ ७० |

| पृ० | अ० सं० | पृ० | अ० सं० |
|-----|--------------------|-----|--------|
| १२३ | द्वारोदेवीरन्व | २७ | १६ |
| ११० | द्विपदायाश्चतुष्प | २३ | ३४ |
| ११४ | ध्रुविरूपेचरतः | ३३ | ५ |
| ९० | द्वेष्टतीअश्रुयवम् | १६ | ४७ |

ध

| | | | | | | | |
|-----|----------------------|----|----|-----|------------------------|----|----|
| १३१ | धन्वनागाधन्वनाजिम् | २९ | ३९ | ११४ | ध्रुवावध्रुनीकाशाः | २४ | १८ |
| १५४ | धर्तादिवोविभाति | ३७ | १६ | २ | ध्रुगसिध्रुवध्रुवन्तं | १ | ८ |
| ३१ | धातारातिःसवितेदं | ८ | १७ | ३ | धृष्टिरस्यपाग्ने | १ | १७ |
| ८६ | धानाःकरम्भःसक्तवः | १६ | २१ | ६१ | ध्रुवक्षितिध्रुवयोनिर् | १४ | १ |
| ८९ | धानानाध्रुवरूपम् | १६ | २२ | ३५ | ध्रुवसदन्त्वा | ९ | १ |
| ६६ | धानावन्तंकरम्भिण्यां | २० | २६ | ५७ | ध्रुवासिधरुणास्तृता | १३ | १६ |
| ३ | धान्यमसि | १ | २० | ५८ | ध्रुवासिधरुणेतोज्ञे | १३ | ३४ |
| ८७ | धामच्छद्गिनिरिन्द्रो | १८ | ७६ | १८ | ध्रुवासिध्रुवोऽयं | ५ | २८ |
| ८० | धामन्तेविश्वंभुवनम् | १७ | ६६ | १७ | ध्रुवासिऽसिपृथिवीं | ५ | १३ |
| ११३ | धूम्रान्वसन्तायालभते | २४ | ११ | | | | |

न

| | | | | | | | |
|-----|----------------------|----|----|----|----------------------|----|----|
| १०७ | नक्षत्रेभ्यःस्वाहा | २२ | २८ | ७२ | नमःआशवेचाजिरा | १६ | ३१ |
| ४९ | नक्तोषासासमनसा | १२ | २ | ७२ | नमःउष्णीषियोगिरि | १६ | २२ |
| ७९ | नक्तोषासासमनसा | १७ | ७० | ७२ | नमःऋषदिनेच | १६ | १६ |
| ७७ | नतंविदाथयइमा | १७ | ३१ | ७३ | नमःकूप्यायच | १६ | ३८ |
| १४८ | नतद्रक्षाध्रुसिनपिशा | ३४ | ५१ | ७३ | नमःकृत्स्नायतयाधावते | १६ | २० |
| १३७ | नतस्यप्रतिमाश्चिस्त | ३२ | ३ | ७३ | नमःपर्यायच | १६ | ४६ |
| १४६ | नेतेदूरेपरमाचिद् | ३४ | १६ | ७३ | नमःपार्यायचावार्याय | १६ | ४२ |
| १२४ | नत्वावाँरु।अन्यो | २७ | ३६ | ७३ | नमःशङ्खवेच | १६ | ४० |
| १३३ | नदीभ्यःपौञ्जिष्ठ | ३० | ८ | ७३ | नमःशम्भवायच | १६ | ४१ |
| ६२ | नभश्चनभस्यश्च | १४ | १५ | ७३ | नमःशुष्कयायच | १६ | ४५ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----------------------------|--------|-----------------------------|--------|
| ७२ नमःश्वभ्यः | १६ ३८ | ७४ नमोऽस्तुरुद्रेभ्योयेषूधि | १६ ६६ |
| ७२ नमःसभाभ्यः | १६ २४ | ५६ नमोऽस्तुसर्पेभ्यो | १३ ६ |
| ७३ नमःसिकत्यायच | १६ ४३ | ७१ नमोऽहिरयत्राहवेसेना | १६ १७ |
| ५२ नमःसुतेनिर्ऋते | १२ ६३ | ७२ नमोऽह्रस्वायच | १६ ३० |
| ७२ नमःसेनाभ्यः | १६ २६ | ६८ नयत्परोनान्तरः | २० ८२ |
| ७२ नमः सोभ्यायच | १६ ३३ | ९६ नराशंशःप्रतिशूरो | २० ३७ |
| ७२ नमःस्युत्यायच | १६ ३७ | १३० नगाशंशःसस्यमहिमानरः | २७ २७ |
| ७१ नमस्तत्रायुधाय | १६ १४ | १३४ नर्मययुँःचजूः | ३० २० |
| ७२ नमस्तक्षत्राभ्यां | १६ २७ | ६३ नवदशभिरस्तुवत | १४ ३० |
| १५२ नमस्तेऽस्तुविद्युते | ३६ २१ | ६३ नवभिरस्तुवत | १४ २९ |
| ७० नमस्तंरुद्रमन्यव | १६ १ | ६४ नवविधंशत्यास्तुवत | १४ ३१ |
| ७६ नमस्तेहरसेशोचिषे | १७ ११ | १०६ नवाउपतन्म्रियसे | २३ १६ |
| १५२ नमस्तेहरसेशोचिषे | ३६ २० | ११९ नवाउपतन्म्रियसे | २५ ४४ |
| ७२ नमोऽगणेशभ्यो | १६ २५ | १० नहितेपाममाचन | १ ३२ |
| ७२ नमोऽज्येष्ठायच | १६ ३२ | १४२ नहिस्पशमविदन्न | ३३ ६० |
| ७२ नमोऽधृष्णवेच | १६ ३६ | ८८ नानाहिवादेवहितं | १६ ७ |
| ७१ नमोऽबभ्रुशायव्याधि | १६ १८ | ४७ नाभापृथिव्याः | ११ ७६ |
| ७२ नमोऽविष्मिनेच | १६ ३५ | ६५ नाभिर्मैचित्तं | २० ९ |
| १४ नमोऽमित्रस्यवरुणस्य | ४ ३५ | १३६ नाभ्यांआसीदन्तारिक्तं | ३१ १३ |
| ७१ नमोऽरोहितायस्थपतये | १६ १९ | ११० नार्थ्यस्तेपत्न्योलोम | २३ ३६ |
| ७ नमोऽवःपितरोरसाय | २ ३२ | ५४ नाशयित्रीवलासस्या | १२ ६७ |
| ७१ नमोऽवञ्चतेपरिवञ्चते | १६ २१ | ११८ निक्रमणंनिषदनं | २५ ३८ |
| ७२ नमोऽवन्यायच | १६ ३४ | १२३ नियुत्वान्वायवागहि | २७ २६ |
| ७३ नमोऽवात्यायच | १६ ३६ | ५३ निवेशनःसङ्गमनो | १२ ६६ |
| ७२ नमोऽविष्टजङ्गयो | १६ २३ | ४१ निषसादधृतव्रतो | १० २७ |
| ७३ नमोऽवज्यायच | १६ ४४ | ९४ निषसादधृतव्रतो | २० २ |
| ७१ नमोऽस्तुनीलग्रीवाय | १६ ८ | ४५ निहोताहोतृषदने | ११ ३६ |
| ७४ नमोऽस्तुरुद्रेभ्योऽन्त | १६ ६५ | ७४ नीलग्रीवाःशिति- | |
| ७४ नमोऽस्तुरुद्रेभ्योयेदिवि | १६ ६४ | कण्ठादिवधं | १६ ६६ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|----------------------------------|-----|-----------------------------|
| ७४ | नीलग्रीवाःशितिक ण्ठाःशर्वाअधः | १३३ | नृत्तायसूतं ७६ नृपदेवेद् |
| | १६ ५७ | | ३० ६ १७ १२ |

प

| | | | |
|------------------------------|-------|-------------------------|--------|
| ७८ पञ्चदिशोर्दिवीर् | १७ ५४ | २१ परिवीरसिपरिस्वा | ६ ६ |
| १४६ पञ्चनद्यःसरस्वती | ३४ ११ | ८८ परीतोपिञ्चतासुतः | १९ २ |
| १११ पञ्चस्वन्तःपुरुपावित्रेप | २३ ५२ | १३८ परीत्यभृतानि | ३२ ११ |
| १४७ पथस्यधःपरिपति | ३४ ४२ | १५० परीमेगामनेपत | ३५ १८ |
| ८५ पयःपृथिव्यांपय | १८ ३६ | ७७ परोदिवापरएनापृथि | १७ १६ |
| ९२ पयसाशुक्रममृतम् | १९ ८४ | ९० पवमानःसोअद्यनः | १९ ४२ |
| ८६ पयसारूपयद्यवा | १९ २३ | ९० पवित्रेणपुनीहिमा | १६ ४० |
| १५६ पयसोरेतआभृतं | ३८ २८ | २ पवित्रेस्थावैष्णव्या | १ १२ |
| १४९ परंमृत्योअनुपरेहि | ३५ ७ | ४० पवित्रेस्थोवैष्णव्या | १० ६ |
| ४७ परमस्याःपरावतो | ११ ७२ | ८९ पशुभिःपशूनामोति | १९ २० |
| ६९ परमेष्ठीत्वासादयतुदि | | ८४ पशुवाट्टमं | १८ २७ |
| वस्पृष्टेज्योतिष्मतीम् | १५ ५८ | ११३ पशुवाहोविराज | २४ १३ |
| ६९ परमेष्ठीत्वासादयतु | | ६७ पातन्नोअश्विनादिवा | २० ६२ |
| दिवस्पृष्टेज्यवस्वती | १५ ६४ | ७६ पावकयायाश्रितपन्त्या | १७ १० |
| ३३ परमेष्ठ्यभिधीतः | ८ ५४ | ५४ पावकवर्चाः | १२ १०७ |
| ४७ परस्याअधिसंवतो | ११ ७१ | ९८ पावकानःसरस्वती | २० ८४ |
| १० परितेदृढभोरथो | ३ ३६ | १२४ पाहिनोअग्नएकया | २७ ४३ |
| ७१ परितेधन्वनोहेतिर | १६ १२ | १५५ पितानोऽसिपितानो | ३७ २० |
| १८ परित्वागिर्वयो | ५ २९ | १४६ पितुंनुस्तोपं | ३४ ७ |
| ४४ परित्वाग्नेपुरं | ११ २६ | ६० पितृभ्यःस्वधायिभ्यः | १६ ३६ |
| १३८ परित्वाबापृथिवीसद्य | ३२ १२ | १२३ पीवोअन्नारयिवृधः | २७ २३ |
| ७३ परिनोरुद्रस्यहेतिवृण | १६ ५० | ४२ पुत्रमिवपितराव | १० ३४ |
| १४ परिमासेदुश्चरिताद् | ४ २८ | ६८ पुत्रमिवपितराव | २० ७७ |
| ४४ परिव्राजपतिः | ११ २५ | ६० पुनन्तुमादेवजनाः | १९ १६ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|----------------------------|--------|----------------------------------|--------|
| ६० पुनन्तुमापितरःसो | १६ ३७ | ८७ पृष्टोदिविपृष्टोअभिः | १८ ७३ |
| ५१ पुनरासद्यसदनम् | १२ ३९ | ९५ पृष्टीर्भेराष्टम् | २० ८ |
| ५० पुनरूर्जा | १२ ६ | १० प्रघासिनोहवामहे | ३ ४४ |
| ५१ पुनरूर्जा | १२ ४० | ११४ प्रजापतयेचवायवेच | २४ ३० |
| ११ पुनर्नःपितरोमनो | ३ ५५ | १०५ प्रजापतयेत्वाजुष्टप्रोक्षा२२ | ५ |
| १३ पुनर्मनःपुनरायुर् | ४ १५ | ११४ प्रजापतयेपुरुमान् | २४ २६ |
| ५१ पुनस्त्वाऽऽदित्यारुद्रा | १२ ४४ | १५७ प्रजापतिःसम्भिभ्रयमा | ३९ ५ |
| ८८ पुनातितेपरिच्युतथ | १६ ४ | ८५ प्रजापतिर्विश्वकर्मा | १८ ४३ |
| ३ पुराक्नूरस्यविष्टपो | १ २८ | १३६ प्रजापतिश्चरतिगर्भे | ३१ १९ |
| ५२ पुरीष्यासोअनयः | १२ ५० | ५७ प्रजापतिष्टत्रासादयत्व? | ३ १७ |
| ४५ पुरीष्योऽसिविश्वभरा | ११ ३२ | ४१ प्रजापतेनत्वदेतान्य | १० २० |
| ३२ पुरदस्मोविष्टरुप | ८ ३० | ११२ प्रजापतेनत्वदेतान्य | २३ ६५ |
| १३५ पुरुषपवेदथसर्व | ३१ २ | १२६ प्रजापतेस्तपसावावृधा२६ | ११ |
| ११५ पुरुषमृगश्चन्द्रमसो | २४ ३५ | १४९ प्रजापतोत्वादेवतायाम् | ३५ ६ |
| ११ पूर्णादिविंपरापत्त | ३ ४६ | १७ प्रतद्विष्णुस्तवते | ५ २० |
| ११७ पूषांवनिण्डुना | २५ ७ | १३७ प्रतद्वोचेंदमूर्तनु | ३२ ६ |
| १४७ पूषन्तवन्नतैवयं | ३४ ४१ | ६५ प्रतिचन्नेप्रतितिष्टामि | २० १० |
| ३७ पूषापञ्चाक्षरेण | ९ ३२ | ६६ प्रतिपदसिप्रतिपदे | १५ ८ |
| १११ पृच्छामित्वाचितये | २३ ४९ | १४ प्रतिपन्यामपद्माहि | ४ २६ |
| १११ पृच्छामित्वापरमन्तं | २३ ६१ | १३४ प्रतिश्रुक्तायाअर्तनं | ३० १६ |
| ३ पृथिविदेवयजन्योषध्या | १ २५ | ५७ प्रतिस्पशोविस्वज | १३ ११ |
| ८३ पृथिवीचमइन्द्रश्च | १८ १८ | ४० प्रतीचीमारोह | १० १२ |
| ६२ पृथिवीछन्दोन्तरिक्तं | १४ १९ | ४४ प्रतूर्त्तवाजिजाद्रव | ११ १२ |
| ७६ पृथिव्याअहमुदन्तरिक्तं | १७ ६७ | ४४ प्रतूर्त्तवाहि | ११ १५ |
| ६१ पृथिव्यापुरीषमस्यप् | १४ ४ | २ प्रत्युष्टैरक्षः | १ ७ |
| ४४ पृथिव्यासधस्थाद् | ११ १६ | ४ प्रत्युष्टैरक्षः | १ २६ |
| १०७ पृथिव्यैस्वाहा | २२ २९ | ६५ प्रथमाद्वितीयैः | २० १२ |
| ११३ पृथिविस्तिरथीनपृथिविः | २४ ४ | १२९ प्रथमावात्सरथिना | २६ ७ |
| ११८ पृषदध्वामस्तः | २५ २० | १४८ मनूनंन्रंमणस्पतिः | ३४ ५७ |

| पृ० | अ० सं० |
|---------------------------|--------|
| ३७ मनोयच्छत्र्वर्यमा | ९ २६ |
| ४१ प्रपर्वतस्य | १० १६ |
| ५१ प्रप्रायमग्निः | १२ १४ |
| १०० प्रवाहवासिमृतं | २१ ६ |
| १४६ प्रमन्महेशवसानाय | ३४ १६ |
| ७१ प्रमुञ्चधन्वनस्तवम् | १६ ६ |
| १२३ प्रयागिभ्यासिदास्वा | २७ २७ |
| १४४ प्रवइन्द्रायवृहते | ३३ ६६ |
| १४२ प्रवायुमच्छावृहती | ३३ ५५ |
| १४१ प्रवावृजेसुमयावर्हिः | ३३ ४४ |
| १४३ प्रवीरयाशुचयो | ३३ ७० |
| १४० प्रवोमहेमन्दमानाया | ३३ २३ |
| १४६ प्रवोमहेमहि | ३४ १७ |
| ५१ प्रसद्यभस्मनायोनिम् | १२ ३८ |
| ८६ प्रस्तरैणपरिधिना | १८ ६३ |
| २३ प्रागपागुदग | ४ ३६ |
| १३० प्राचीनंवर्हिःप्रदिशा | २६ २६ |
| ७६ प्राचीमनुप्रदिशमेहि | १७ ६६ |

| पृ० | अ० सं० |
|-------------------------------|--------|
| १०६ प्राच्यैदिशेस्वाहा | २२ २४ |
| ६१ प्राणम्मेषाहि | १४ ८ |
| ७६ प्राणदाअपानदा | १७ १९ |
| ९६ प्राणयामेअपानपाञ् | २० ३४ |
| ८२ प्राणश्चमेअपानश्च | १८ २ |
| २६ प्राणायमेवर्चोदा | ७ २७ |
| १०६ प्राणायस्वाहापानाय | २२ २३ |
| १४७ प्रातरग्निं प्रातरिन्द्रं | ३४ ३४ |
| १४७ प्रातर्जितं भगम् | ३४ ३५ |
| ७८ प्रेताजयतानरइन्द्रो | १७ ४६ |
| ५१ प्रेदग्नेज्योतिष्मान् | १२ ३२ |
| ७६ प्रेदोअग्नेदीदिहि | १७ ७६ |
| १४४ प्रैतुव्रत्तणस्पतिः | ३३ ८६ |
| ४५ प्रैतुवाजीकानिकदन् | ११ ४६ |
| ८९ प्रैपेभिः प्रैपानामोति | १९ १६ |
| ६९ प्रोथदश्वोनयवसेज्वि | १५ ६२ |
| ३३ प्रोह्यमाणाः सोमभागंतो | ८ ५६ |

व

| | |
|------------------------|-------|
| १४१ वदसूर्यश्रवसा | ३३ ४० |
| १४१ वरमहँ२॥असिसूर्य | ३३ ३६ |
| ९१ वर्हिसदःपितरः | १६ ५५ |
| ७७ वलत्रिजायःस्थत्रिरः | १७ ३७ |
| १३१ वहीनांपितावहुरस्य | २९ ४२ |
| ६५ वाहूमेवलाभिन्द्रियं | २० ७ |
| १३४ वीभत्सायैपौलकसं | ३० १७ |

| | |
|--------------------------|-------|
| ९६ वृहदिन्द्रायगायत | २० ३० |
| १४० वृहन्निदिधमपां | ३३ २४ |
| १२० वृहस्पतेअतियदयो | २६ ३ |
| ७७ वृहस्पतेपरिदीया | १७ ३६ |
| ३६ वृहस्पतेवाजंजय | ९ ११ |
| १२२ वृहस्पतेसवितर्वोधयैन | २७ ८ |
| ५१ बोधामेअस्य | १२ ४२ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० | | |
|-----|-----------------------|-----|-----|-----|-------------------|----|----|
| ८८ | ब्रह्मक्षत्रपवते | १६ | ५ | १४३ | ब्रह्माग्निमेतयः | ३३ | ७८ |
| ५६ | ब्रह्मजज्ञानं | १३ | ३ | २८ | ब्राह्मणमथाविदेय | ७ | ४६ |
| १४८ | ब्रह्मणस्पते | ३४ | ५८ | १३१ | ब्राह्मणासःपितरः | ३६ | ४७ |
| १३३ | ब्रह्मणोब्राह्मणं | ३० | ५ | १३६ | ब्राह्मणोस्यमुखमा | | |
| १११ | ब्रह्मसूर्यसमंज्योतिः | २३ | ४८ | | सीद् | ३१ | ११ |

भ

| | | | | | | | |
|-----|----------------------|----|----|-----|-------------------------|----|----|
| १४७ | भगएवभगवाँ२॥ | ३४ | ३८ | ५७ | भुवोयज्ञस्य | १३ | १५ |
| १४७ | भगप्रणोतर्भग | ३४ | ३६ | ६७ | भुवोयज्ञस्य | १५ | २३ |
| ११८ | भद्रंकरणेभिः | २५ | २१ | ३ | भूतायत्वा | १ | ११ |
| ६८ | भद्राजतप्रशस्तयो | १५ | ३६ | ११४ | भूम्याआखूना | २४ | २६ |
| ६८ | भद्रोनोअग्निराहुतो | १५ | ३८ | ५७ | भूरसिभूमिरस्य | १३ | १८ |
| १४ | भद्रोमेऽसिप्रच्यवस्व | ४ | ३४ | १० | भूर्भुवःस्वःसुप्रजाः | ३ | ३७ |
| १६ | भवतन्नःसमनसौ | ५ | ३ | १५१ | भूर्भुवःस्वः | ३६ | ३ |
| ५२ | भवतन्नःसमनसौ | १२ | ६० | ९ | भूर्भुवःत्वद्यौरिवभूमना | ३ | ५ |
| १३४ | भायैदार्वारं | ३० | १२ | ११ | भेषजमसि | ३ | ६६ |
| ८५ | भुज्युःसुपर्णो | १८ | ४२ | | | | |

म

| | | | | | | | |
|-----|--------------------|----|----|-----|--------------------------|----|----|
| १५३ | मखस्याशिरोऽसि | ३७ | ८ | १२३ | मध्यायज्ञंनक्षत्रे | २७ | १३ |
| १०७ | मधवेस्वाहामाधवाय | २२ | ३१ | १५७ | मनसःकाममाकृतिं | ३९ | ४ |
| ५८ | मधुनक्तमुतोषसो | १३ | २८ | २१ | मनस्तत्राप्यायतां | ६ | १५ |
| २४ | मधुमतीर्द्धिषक्छधि | ७ | २ | ६ | मनोज्ञतिर्जुषतामाज्यस्य२ | १३ | |
| ५८ | मधुमान्नोवनस्पति | १३ | ३६ | २५ | मनोनयेषु | ७ | १७ |
| ५८ | मधुनाताऋतायते | १३ | २७ | ११ | मनोन्वाह्वामहे | ३ | ५३ |
| ५७ | मधुश्चमाधवश्च | १३ | २५ | २२ | मनोमेतर्ष्ययत. | ६ | ३१ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० | | |
|-----|------------------------|-----|-----|-----|-----------------------|----|-----|
| १३४ | मन्यवेऽयस्तापं | ३० | १४ | १० | मानःशःसो | ३ | ३० |
| ५६ | मयिगृह्णाम्यग्रेअग्रिथ | १३ | १ | ७१ | मानस्तोकेतनये | १६ | १६ |
| १५६ | मयित्यादिन्द्रियंवृहन् | ३८ | २७ | ७१ | मानोमहान्तमुत् | १६ | १५ |
| ६ | मयीदमिन्द्रइन्द्रियं | २ | १० | ११८ | मानोमित्रोवरुणो | २५ | २४ |
| ११४ | मयुःप्राजापत्यजलो | २४ | ३१ | २२ | मापोमौषधीहिंथ | ६ | २२ |
| ११७ | मरुताऽस्कन्धा | २५ | ६ | ३ | माभेर्मांसविक्रया | १ | २३ |
| ३२ | मरुतोयस्यद्विज्ञये | ८ | ३१ | २३ | माभेर्मांसविक्रया | ६ | ३५ |
| २७ | मरुत्वन्तवृषभं | ७ | ३६ | ५४ | मामांहिंथसीज्जनिता | १२ | १०२ |
| २७ | मरुत्वाँ२॥इन्द्रवृषभो | ७ | ३८ | ५४ | मावांरिषतृखनिता | ११ | ६५ |
| ७८ | मर्माणितेवर्मणा | १७ | ४६ | ४७ | मासुभित्यामा | ११ | ६८ |
| ११६ | मशकान्केशैः | २५ | ३ | २१ | माहिभूर्मा | ६ | १२ |
| ३७ | महाँ२॥इन्द्रोन्नृषदा | ७ | ३९ | ३१ | माहिर्भूर्मा | ८ | २३ |
| २७ | महाँ२॥इन्द्रोयञ्जोजसा | ७ | ४० | १४२ | मित्रथहुवेपूतदत्तं | ३९ | ५७ |
| १२१ | महाँ२॥इन्द्रोवज्रहस्तः | २६ | १० | ४६ | मित्रस्यसृज्य | ११ | ५३ |
| ११० | महानाम्न्योरेवत्यो | २३ | ३५ | ८३ | मित्ररुचम | १८ | १७ |
| १० | महित्रीणामवोऽस्तु | ३ | ३१ | ४७ | मित्रस्यचर्षणीधृतो | ११ | ६२ |
| ३२ | महीद्यौःपृथिवीच | ८ | ३२ | १८ | मित्रस्वमा | ५ | ३४ |
| ५८ | महीद्यौःपृथिवीच | १३ | ३२ | २६ | मित्रावरुणाभ्यांत्वा | ७ | २३ |
| १२ | महीनाम्पयांऽसि | ४ | ३ | १४ | मित्रानणहि | ४ | २७ |
| १०० | महीमूपुमातरथ | २१ | ५ | ३७ | मित्रोनवाक्षरेण | ९ | ३३ |
| १४० | महोश्चमैःसामि | ३३ | १७ | ७३ | मीहुष्टमशिवतम | १६ | ५१ |
| ६८ | महोश्चर्याःसरस्वती | २० | ८६ | ९३ | मुखथसदस्य | १९ | ८८ |
| ६५ | माच्छन्दःममा | १४ | १८ | ५४ | मुञ्चन्तुमाशप | १२ | ९९ |
| ४१ | मातइन्द्रतेवयं | १० | २२ | २६ | मूर्दानन्दिदो | ७ | २४ |
| ११० | माताचतेपितोचतेऽग्रम् | २३ | २४ | १४० | मूर्दानन्दिदो | ३३ | ८ |
| ११० | माताचतेपिताचतेऽग्रे | २३ | २५ | ६२ | मूर्दावियःप्रजापतिः | १४ | ९ |
| ५२ | मातेवपुत्रं | १२ | ६१ | ६३ | मूर्दासिराह | १४ | २१ |
| ११८ | मात्वाग्निध्वनयी | २५ | ३७ | ८६ | मृगानभीमः | १८ | ७१ |
| ११९ | मात्वांतपत्प्रिये | २५ | ४२ | १३८ | मधमिवरुणोददातु | ३२ | १५ |
| | | | | १० | मोपूणऽन्द्रात्रपूत्सु | ३ | ४६ |

य

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|---------------------------|-----|----------------------------|
| ११७ | यथात्मदाबलदायस्य २५ ३३ | ११८ | यत्तैगात्रादग्नि २५ ३४ |
| ९८ | यहन्द्रइन्द्रियदधुः २० ७० | १३६ | यत्पुरुषं वदधुः ३१ १० |
| ७६ | यइमाविश्वा १७ १७ | १३६ | यत्पुरुषेणहविषा ३१ १४ |
| १३१ | यइमेधावापृथिवी २६ ३४ | १४५ | यत्प्रज्ञानमुतचेतो ३४ ३ |
| ७४ | यएतावन्तश्च १६ ६१ | ८६ | यत्रधारा १८ ६५ |
| १३७ | यंक्रन्दसीभवसा ३२ ७ | ७८ | यत्रवाणाः १७ ४८ |
| ६३ | यन्तेदेवीनिर्ऋति १२ ६५ | ६६ | यत्रब्रह्मचक्षत्रं च २० २५ |
| ६ | यंपरिधिपर्यधत्था २ १७ | ६६ | यत्रेन्द्रस्यवायुश्च २० २६ |
| १०६ | यःप्राणतोनिमिपतो २३ ३ | ६३ | यत्रौषधीः १२ ८० |
| ११७ | यःप्राणतोनिमिषतो २५ ११ | १२० | यथेमांवाचं २६ २ |
| ११० | यकासकौशकुन्तिका २३ २२ | १३० | यदक्रन्दःप्रथमं २६ १२ |
| ११० | यकोऽसकौशकुन्तक २३ २३ | ४७ | यदग्नेकानिकानि ११ ७३ |
| १३९ | यजानोमित्रावरुणा ३३ ३ | ४७ | यदत्स्युपजिहिका ११ ७४ |
| ८६ | यजुर्भिराप्यन्ते १६ १८ | ९० | यदन्नरिस्रथ १६ ३५ |
| १४५ | यज्जाग्रतोदूरमु ३४ १ | १४१ | यदद्यकक्षवृत्र ३३ ३५ |
| ३१ | यज्ञयज्ञश्च ८ २२ | १४० | यदद्यसूरउदिते ३३ २० |
| ३४ | यज्ञस्यदोहोविततः ८ ६२ | ११८ | यदश्वस्यक्रविषो २५ ३२ |
| १२४ | यज्ञायज्ञावो २७ ४२ | ११६ | यदश्वाय ३५ ३९ |
| १३६ | यज्ञेनयज्ञमयजन्त ३१ १६ | ११० | यदस्याश्रथ २३ २८ |
| ३० | यज्ञोदेवानाम् ८ ४ | ८६ | यदाकृतात् १८ ६८ |
| १४३ | यज्ञोदेवानाम् ३३ ६८ | ८६ | यदापिपेष १९ ११ |
| १०५ | यत्स्वाहाधावते १२ ८ | ९५ | यदापोऽध्वन्याइति २० १८ |
| १५२ | यतोयत्तःसमीहसे ३६ २२ | १४८ | यदाबध्नन्दाक्षा यथा ३४ ५२ |
| ९० | यत्तेपवित्र १९ ४१ | ९५ | यदिजाग्रद्यदि २० १६ |
| ११६ | यत्तेसादेमहसा २५ ४० | ९५ | यदिदिवा २० १५ |
| २२ | यत्तेसोमदिविज्योतिः ६ ३३ | ५३ | यदिमावाजयन् १२ ८५ |

| पृ० | अ० मं० |
|-----|-----------------------------|
| ११८ | यदूवध्यमुदरस्या २५ ३३ |
| १० | यद्ग्रामेयदरण्ये ३ ४५ |
| १५ | यद्ग्रामेयदरण्ये २० १७ |
| ८६ | यद्दत्तंयत्परा १८ ६४ |
| ९५ | यद्देवादेवहेदनं २० १४ |
| ११० | यद्देवासो २३ ५६ |
| ११० | यद्दरिणो०शूद्रायदर्य २३ ३० |
| ११० | यद्दरिणो०शूद्रोयदर्या २३ ३१ |
| ११८ | यद्दविष्यपृतुशो २५ २७ |
| ११८ | यद्द्वजिनोदामसन्दा २५ ३१ |
| १०६ | यद्द्वतोअपो २३ ७ |
| १२१ | यद्द्वहिष्ठन्तदग्ने २६ १२ |
| ८२ | यन्ताचमे १८ ७ |
| ६३ | यन्त्रीराद् १४ २२ |
| ११८ | यन्निरीणिजा २५ २५ |
| ११८ | यन्निर्क्षिणं २५ ३६ |
| १५१ | यन्मेद्धिद्रं चक्षुषो ३६ २ |
| ९१ | यमग्नेकव्यवाहन १९ १४ |
| २२ | यमग्नेपृत्सुमर्त्य ६ २९ |
| ९० | यमश्विनानमुचे १६ ३४ |
| ९८ | यमश्विनासरस्वती २० ६८ |
| १५५ | यमायत्वाङ्गिरस्वते ३८ ९ |
| १५३ | यमायत्वामखायत्वा ३७ ११ |
| १३४ | यमाययमसूम ३० १५ |
| १५८ | यमायस्त्राहान्तकाय ३९ १३ |
| १३० | यमेनदत्तत्रित २६ १३ |
| ६३ | यवनांभागोऽस्य १४ २६ |
| १२३ | यश्चिदापो २७ २६ |
| १५६ | यस्तुसर्वाणिभू ४० ६ |

| पृ० | अ० मं० |
|-----|------------------------------|
| ५१ | यस्तेअद्यकुरवन्द् १२ २६ |
| ३० | यस्तेअश्वसानि ८ १२ |
| २६ | यस्तेद्रप्सस्कन्दति ७ २६ |
| ९० | यस्तेरसःसम्भृत १९ ३३ |
| १५५ | यस्तेस्तनःशाशयो ३८ ५ |
| १३७ | यस्माज्जातंनपुराकिं ३२ ५ |
| ३२ | यस्मान्नजातः ८ ३६ |
| १५६ | यस्मिन्त्सर्वाणिभूता ४० ७ |
| ९८ | यस्मिन्नश्वासश्चष्टभा २० १७८ |
| १४६ | यस्मिन्नुचःसामयजुध ३४ ५ |
| ७८ | यस्यकुर्मोष्टुहेद्वि १७ ५२ |
| ४३ | यस्यप्रयाणम् ११ ६ |
| १४३ | यस्यायंविश्व ३३ ८२ |
| ५२ | यस्यास्तेघोरआस १२ ६४ |
| ११७ | यस्येमेहिमवन्तो २५ १२ |
| ३१ | यस्यैतैयज्ञियो ८ २६ |
| ५३ | यस्यौषधीः १२ ८६ |
| ५६ | याइषवोयातुधाना १३ ७ |
| ५३ | याओषधीःपूर्वाजाता १२ ७५ |
| ५४ | याओषधीःसोमराज्ञी १२ ९२ |
| ५४ | याओषधीःसोमराज्ञीर्वि १२ ६३ |
| ३१ | याँरा।आवहउषतो ८ १६ |
| १३८ | यामेधादेवगणाः ३२ १४ |
| ५५ | याःफलिनीः १२ ८६ |
| ४७ | याःसेनाअभीत्वरी ११ ७७ |
| १६ | यातेअग्नेअयःशया ५ ८ |
| १५६ | यातेधर्मदिन्याशुग्या ३८ १८ |
| ७६ | यातेधामानिपरमाणि १७ २१ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|-----------------------|-----|----------------------|
| १५ | यातेधामानिहविषा | ५३ | युनक्तसीरा |
| २० | यातेधामान्युष्मसि | ३३ | युवन्तमिन्द्रापर्वता |
| ७० | यातेरुद्रशिवातनूः | ४१ | युवधसुगममशिवना |
| ७३ | यानेरुद्रशिवातनूः | ६८ | युवधसुरा |
| ७१ | यातेहेतिर्मीदुष्टम | २ | युष्माइन्द्रोवृषीत |
| ७० | यमिधुंगिरिशं | ११८ | युषवकाउत्तयेगुप |
| १५६ | यावतीद्यानापृथिवी | ६१ | यमग्निष्वात्ताये |
| २५ | यावाङ्गशा | ९१ | येचेहपितरोयेचनेह |
| ५७ | यावोदेवाःसूर्ये | ४७ | येजेनेषुमलिम्लवः |
| ८५ | यावोदेवाःसूर्येरुचो | ७४ | येनीर्थानिप्रचरन्ति |
| ८९ | याव्याप्रविशुचिकोभौ | १५७ | येतेपन्थाःसविता |
| ५७ | याशतेनप्रतनोशि | १४२ | येत्वाहिदृत्येमथवन् |
| ५४ | याश्चेदमुपमृएवन्ति | ३८ | येदेवाअग्निनेत्राः |
| ५७ | यास्तेअग्नेसूर्येरुचो | ७६ | येदेवादेवानां |
| ८५ | यास्तेअग्नेसूर्येरुचो | ७६ | येदेवादेवेष्व |
| ४६ | युक्तेनमनसा | २६ | येदेवासोदिव्येकादश |
| ४३ | युक्त्वायसविता | ६८ | येनऋषयस्तपसा |
| ५८ | युक्त्वाहिदेवहतमा | ६१ | येनःपूर्वोपिनरः |
| १३६ | युक्त्वाहिदेवहतमा | १४८ | येनःसपन्नाअपते |
| ३२ | युक्त्वाहिकेशिना | १४५ | येनकर्मारयपसोमनी |
| ४३ | युजेवांम्रह्म | १३७ | येनद्यौरुग्रा |
| १७ | युज्जतेमनउत्त | ६९ | येनवहसिसहस्रं |
| ४३ | युज्जतेमनउत्त | ८६ | येनवहसिसहस्रं |
| १५३ | युज्जतेमनउत्त | ६८ | येनासमन्सुसासहो |
| १०९ | युज्जन्तिब्रह्मरुषं | १४१ | येनापावकृचक्षसा |
| १०६ | युज्जन्त्यस्य नाम्या | १४५ | येनेदंभूतंभुवनं |
| ४४ | युज्जाथधिरासभं | ७४ | येऽङ्गुविविध्यन्ति |
| ४३ | युज्जानःप्रथमं | ७४ | येपयाम्पथिरज्ञ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|----------------------|-----|---------------------|
| ७४ | येभूतानामधिपत्यो | ५८ | यो अग्निरग्नेरध्व |
| ७ | ये रूपाणिप्रतिमुञ्च | ४७ | योऽश्वमभ्यभराती |
| ११८ | येवाजिनंपरिप | ४४ | योगेयोगेत्व |
| ४६ | येवामीरोचनेदि | १३६ | योदेवेभ्यश्चातपति |
| ३४ | येवृत्तेषुशशिपञ्जराः | ७७ | योनःपिताजनितायोवि |
| १० | येषामध्येतिप्रवस | ९६ | योभूतानामधिपतिः |
| ९० | येसमानाः समनसःपित | १० | योरेवान्योऽन्नमीवहा |
| ६० | येसमानाःसमनसोजीवा | ४६ | योवःशिवतमोरसः |
| ६१ | योअग्निःऋग्यवाहनः | १५१ | योवःशिवतमोरसः |

र

| | | | |
|-----|-----------------------|-----|-----------------------|
| २१ | रक्षसांभागोऽसि | १०६ | रातिथंसत्पति |
| १८ | रक्षोहृष्यंवल्लगहनं | २५ | रायावयथंससवाथंसो |
| १८ | रक्षोहृष्योवोवल्लगहनः | १२३ | रायंनुयंजस्तु |
| १२१ | रक्षोहाविश्वचर्षाणि | ८५ | रुचंनोधेहिब्राह्म |
| ११० | रजताहरिणीः | १३६ | रुचंनह |
| १३१ | रथवाहनथइवि | ४६ | रुद्राःसथंसृज्यपृथिवी |
| १३१ | रथेतिष्ठन्नयति | २८ | रूपेणवोरूपं |
| ८३ | रायिश्चमेरायश्च | ६२ | रेतोमूत्रंविजहाति |
| ६५ | राशिमनासत्यायसत्यं | ९ | रेवतीरमध्वम् |
| ६ | राजन्तमध्वराणा | २१ | रेवतीरमध्वम् |
| ६२ | राश्यासिप्राचीदिग् | ११३ | रोहितोधूम्ररोहितः |
| ६६ | राश्यासिप्राचीदिग् | | |

ल

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|----------------------|--------|-----------------|--------|
| ६९ लोकंपृष्ण | १५ ५६ | ६५ लोमानिप्रयति | २० १३ |
| १५८ लोमभ्यःस्वाहालोम | ३६ १० | | |

व

| | | | |
|-------------------------------|-------|-------------------------------|-------|
| १३१ वक्षन्तिवेदागनी | २६ ४० | ११४ वसुभ्यश्च्युत्यान् | २४ २७ |
| ६६ वनस्पतिरवसृष्टो | २० ४५ | ६ वसुभ्यस्त्वारुद्रेभ्यस्त्वा | २ १६ |
| १२३ वनस्पतेभवसृजा | २७ २१ | ६३ वसूनांभागोऽसि | १४ २५ |
| १३२ वनस्पतेवीद्विक्त्रो | ५६ ५२ | २ वसोपवित्रमसि | १ २ |
| १४ वनेषुव्यन्तरिक्षं | ४ ३१ | २ वसोपवित्रमसिशतधारं | १ २ |
| ८७ वयन्तेअघरारिमा | १८ ७५ | १४ वस्व्यस्यदितिरस्य | ४ २१ |
| ८० वयंनामप्रव्रवाम | १७ ६० | १५० वहवपांजातवेदः | ३५ २० |
| ११ वयंशिसोमव्रते | ३ ५६ | २१ वाचंतेशुन्धाभि | ६ १४ |
| ३१ वयंशिहित्वा | ८ २० | २४ वाचस्पतयेपवस्व | ७ १ |
| ६८ वरुणःक्षत्रमिन्द्रियं | २० ७२ | ३३ वाचस्पतिविश्वकर्माणं | ८ ४५ |
| १४२ वरुणःप्राविताश्रुव | ३३ ४६ | ७७ वाचस्पतिविश्व | १७ २३ |
| १५ वरुणस्योत्तम्भनमसि | ४ ३६ | १५७ वाचेस्वाहाप्राणाय | ३६ ३ |
| ५८ वरुर्त्रीत्वष्टु | १३ ४४ | ८५ वाजःपुरस्तादुत | १८ ३४ |
| १०१ वर्षाभिर्ऋतूनां | २१ २५ | ८२ वाजश्रमेप्रसवश्च | १८ १ |
| ११५ वर्षाद्विर्ऋतूनां | २४ ३८ | ३७ वाजस्यनुप्रसव | ६ २५ |
| ११४ वसन्तायकापिञ्ज | २४ २० | ८४ वाजस्यनुप्रसवे | १८ ३० |
| १०० वसन्तेनश्चतुना | २१ २३ | ७९ वाजस्यमाप्रसवज्ज्या | १७ ६३ |
| ३७ वसवस्त्रयोदशाक्षरेण | ६ ३४ | ३७ वाजस्येमंप्रसवः | ९ २३ |
| ४६ वसवस्त्वाकृण्वन्तु | ११ ५८ | ३७ वाजस्येमांप्रसवःशिशि | ६ २४ |
| ४७ वसवस्त्वाकृन्दन्तु | ११ ६५ | ८४ वाजायस्वाहाप्रसवाय | १८ २८ |
| १०६ वसवस्त्वाञ्जन्तुग्रायत्रे | २३ ८ | ३६ वाजेवाजेऽवतवाजिनो | ९ १८ |
| ४६ वसवस्त्वाधूपयन्तु | ११ ६० | १०० वाजेवाजेऽवतवाजिनो | २१ ११ |
| ८३ वसुचमेवसतिश्वमे | १८ १५ | १०४ वाजोनःसप्तमदि | १८ ३२ |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० | | |
|-----|----------------------|-----|-----|-----|--|----|----|
| ८५ | वांजो नो अद्यमसुवा | १८ | ३३ | १८ | विभृगसिमवाहणो | ५ | ३१ |
| ११६ | वातं प्राणेनापानेन | २५ | २ | १०६ | विभृगीत्रामभूः | २२ | १६ |
| ३५ | वातरं हाभव | ६ | ८ | १४१ | विभ्रादवृद्धत्पिवत् | ३३ | ३० |
| ५८ | वातस्य जृति | १३ | ४२ | ७८ | विमाने एपदित्रो | १७ | ५६ |
| १०६ | वाताय स्वाहा भूमाय | २२ | २६ | ५३ | विमुच्यध्वम् | १२ | ७३ |
| ३५ | वातो वा मनो वा | ९ | ७ | ६६ | विराडसिदक्षिणादिग् | १५ | ११ |
| ३० | वाममद्यसवितर | ८ | ६ | ५७ | विराड्ज्योतिरधार | १३ | २४ |
| ८६ | वायव्यं वायव्या | १६ | २७ | ३० | विवस्वन्नादित्यैग | ८ | ५ |
| १४६ | वायुः पुनातु सविता | ३५ | ३ | ७६ | विश्वकर्मन् हविषा | १७ | २२ |
| १२३ | वायुरग्रे गाथश | २७ | ३१ | ३१ | वियन्न कर्मन् हविषा- वर्द्धनेन | ८ | ४६ |
| १५९ | वायुरनिलममृत | ४० | १५ | ७७ | विश्वकर्मन् हविषावर्द्ध | १७ | २४ |
| १०६ | वायुष्ठापचतैरव | २३ | १३ | ६२ | विश्वकर्मात्वासादय | १४ | १४ |
| ८८ | वायोः पूतः पवित्रेण | १९ | ३ | ६२ | विश्वकर्मात्वासादयात्वन्त- रिक्षस्य पृष्टेऽप्याचस्वती | १४ | १२ |
| १२४ | वायो ये ते सहस्रिणो | २७ | ३२ | ७७ | विश्वकर्माविमना | १७ | २६ |
| १२३ | वायोऽशक्रो अयापिते | २७ | ३० | ७७ | विश्वकर्माक्षजनिष्ठ | १७ | ३२ |
| ८६ | वार्त्तदत्त्याया | १८ | ६८ | ७६ | विश्वतश्चक्षुरुत विश्वतो | १७ | १६ |
| ७३ | विकिरिद्रविलोहित | १६ | ५२ | ५७ | विश्वस्मै पाणायापाना | १३ | १९ |
| ७१ | विज्यं धनुः रुपादिनो | १६ | १० | ५० | विश्वस्य केतुः | १२ | २३ |
| ८३ | वित्तञ्चमेवेधश्चमे | १८ | ११ | ६८ | विश्वस्य दूतममृतं | १५ | ३३ |
| १४२ | विदद्यदी सरमा | ३३ | ५९ | ८६ | विश्वस्य मूर्द्धन्निधि | १८ | ५५ |
| ५० | विशाते अग्ने त्रेधा | १२ | १९ | १५६ | विश्वा आशादक्षिणा | ३८ | १० |
| १५६ | विद्याश्चाविद्याश्च | ४० | १४ | १३३ | विश्वानि देवसवितर | ३० | ३० |
| ११७ | विधृतिनाभ्या | २५ | ६ | ४९ | विश्वारूपाणि | १२ | ३ |
| ७९ | विधेमते परमे | १७ | ७९ | १५४ | विश्वासां भुवाम्पते | ३७ | १८ |
| ३२ | विनइन्द्रमृधोजहि | ८ | ४४ | ८४ | विश्वे अद्यमरुतो | १८ | ३१ |
| ८६ | विनइन्द्रमृधोजहि | १८ | ७० | १४२ | विश्वे अद्यमरुतो | ३३ | ५२ |
| ४६ | विपाजसापृथुना | ११ | ४९ | | | | |
| १३३ | विभक्ता रं हवामहे. | ३० | ४ | | | | |

| पृ० | अ० | मं० | पृ० | अ० | मं० | | |
|-----|------------------------|-----|-----|-----|---------------------|----|----|
| ३३ | विश्वेदेवाग्रशुषु | ८ | ५७ | १११ | वेदाहमस्यभुवनस्य | २३ | ६० |
| १४१ | विश्वेदेवाश्रुषुते | ३३ | ५३ | १३६ | वेदाहमेतंपुरुषं | ३१ | १८ |
| ३३ | विश्वेदेवाश्रमसे | ८ | ५८ | ६२ | वेदेनरूपेव्यपिबत् | १६ | ७८ |
| २७ | विश्वेदेवासआगत | ७ | ३४ | ६ | वेदोसियेन | २ | २१ |
| १४० | विश्वेभिःसोम्यम्मध्य | ३३ | १० | ८९ | वेद्यावेदिःसमाप्यते | १९ | १७ |
| १४० | विश्वेषामदितिर्यज्ञिया | ३३ | १६ | १३७ | वेनस्तत्पश्यन् | ३२ | ८ |
| १३ | विश्वोदेवस्यनेतु | ४ | ८ | ६० | वैश्वदेवीपुनती | १६ | ४४ |
| ४७ | विश्वोदेवस्यनेतु | ११ | ६७ | १२० | वैश्वानरस्यसुमतौ | २६ | ७ |
| २१ | विष्णोःकर्माणिपश्यत | ६ | ४ | ८७ | वैश्वानरोनऊतये | १८ | ७२ |
| ५८ | विष्णोःकर्माणिपश्यत | १३ | ३३ | १२० | वैश्वानरोनऊतये | २६ | ८ |
| ५० | विष्णोःक्रमोऽसि | १२ | ५ | १३० | व्यचस्वतीरुर्विया | २६ | ३० |
| १७ | विष्णोरराटमसि | ५ | २१ | १३ | व्रतंकृणुताग्नि | ४ | ११ |
| १७ | विष्णोर्नुकंवीर्याणि | ५ | १८ | ८३ | व्रतञ्जमऋतवश्च | १८ | २३ |
| ७८ | वीतंश्रुविःशमित | १७ | ५७ | ८९ | व्रतेनदीक्षाप्रोति | १६ | ३० |
| ५ | वीतिहोत्रंत्वाकवे | २ | ४ | ८३ | व्रीहयश्चमेयवाश्च | १८ | १२ |
| ३६ | वृष्णजमिरसि | १० | २ | ३३ | जेशीनांत्वा | ८ | ४८ |

श

| | | | | | | | |
|-----|--------------------|----|----|-----|-------------------|----|----|
| ८२ | शंचमेमयश्च | १८ | ८ | ११८ | शतमिन्नुशरदो | २५ | २२ |
| १११ | शंतेपरेभ्योगात्रे | २३ | ४४ | १०० | शमितानोवनस्पातिः | २१ | २१ |
| १५१ | शन्नोदेवीरभिष्टय | ३६ | १२ | ४५ | शर्मचस्थोवर्मच | ११ | ३० |
| ३६ | शन्नोभवन्तुवाजिनो | ९ | १६ | २ | शर्मास्यवधूतंश्रु | १ | १४ |
| १०० | शन्नोभवन्तु | २१ | १० | ३ | शर्मास्यवधूतंश्रु | १ | १९ |
| १५१ | शन्नोभिन्नःशंवरुणः | ३६ | ६ | ११६ | शादंदन्द्रिरव | २५ | १ |
| १५१ | शन्नोवातःपवतांश्रु | ३६ | १० | १०१ | शारदेनऋतुना | २१ | २६ |
| १४९ | शंवातःशंश्रुहिते | ३५ | ८ | ९४ | शिरोमेश्रीर्यशो | २० | ५ |
| ५३ | शतंवोश्चम्बधामानि | १२ | ७६ | ११३ | शिल्पावैश्वदेवो | २४ | ५ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------------------------|--------|--------------------------|--------|
| ७० शिवेनवचसात्वा | १६ ४ | १०१ शौशिरेणञ्चतुना | २१ २८ |
| ११ शिवोनामासिस्वधिति | ३ ६३ | १४१ श्रायन्तइवसूर्ये | ३३ ४१ |
| ४५ शिवोभवमजाभ्यो | ११ ४५ | ५० श्रीणामुदारो | १२ २२ |
| ५० शिवोभूत्वामहामग्ने | १२ १७ | १३६ श्रीश्चतेलक्ष्मीश्च | ३१ २२ |
| ४ शुक्रन्त्वाशुक्रण | ४ २६ | १४० शुधिश्चुत्करणःवहि | ३३ १५ |
| ७९ शुक्रज्योतिश्चचित्र | १७ ८० | २३ श्वात्राःस्थवृत्रतुरो | ६ ३४ |
| ६१ शुक्रश्चशुचिश्च | १४ ६ | १३ श्वात्राःपिताभवता | ४ १२ |
| ११३ शुद्धवालः | २४ ३ | ११५ शिवत्रादित्यानां | २४ ३३ |
| ५३ शूनंमुफालाविक्र | १२ ६९ | | |

ष

| | | | |
|------------------|-------|------------------------|------|
| १११ षडस्यविष्टाः | २३ ५८ | ६५ षोडशीस्तोमञ्जोद्रवि | १५ ३ |
|------------------|-------|------------------------|------|

स

| | | | |
|------------------------|--------|---------------------------|-------|
| ६८ सङ्घानोवसुष्कवि | १५ ३६ | १५६ सम्भूतिञ्चविनाशश्च | ४० ११ |
| ७७ सङ्घुहस्तैःस | १७ ३४ | ८५ सम्मासृजामिपयसा | १८ ३५ |
| ७७ संक्रन्दनेनानिमिषेण | १७ ३४ | १२४ सँव्रत्सरोस्तिपरिवत्स | २७ ४५ |
| १२२ संचेध्यस्वाग्ने | २७ २ | ७ संवर्चसापयसा | २ २४ |
| ५२ संज्ञानमसि | १२ ४६ | ३१ संवर्चसापयसा | ८ १४ |
| ५५ सन्तेपयाथसि | १२ ११३ | ३१ संवर्चसापयसा | = १६ |
| २१ सन्तेफनोमनसा | ६ १८ | ४५ सम्बसाथश्चस्त्रविदा | ११ ३१ |
| ४५ सन्तेवायुः | ११ ३९ | ५२ सम्भ्रामनाथसि | १२ ५८ |
| ९ सन्त्वमग्नेसूर्यस्य | ३ १९ | ४७ सथंशितंमेवह | ११ ८१ |
| १३३ सन्मयेजारम् | ३० ६ | १०६ सथंशितोरश्मिना | २३ १४ |
| ६९ सम्प्रच्यवध्वमुप | १५ ५३ | ६८ सथंसमिद्युवेवृष | १५ ३० |
| ६ सम्बहिरङ्गाथ | २ २२ | ४५ सथंसीदस्वमहां॥ | ११ ३७ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|-----------------------------|-----|-------------------------|
| ४६ | संश्लेषांशु | २५ | समथमोवृहस्पति |
| ६ | संश्लेषवभागा | ५१ | सचोधिपुरि |
| ९ | संश्लेषितासिविश्व | १४ | समख्येदेव्याधिया |
| ८५ | संश्लेषितोविश्वसामा | १५४ | समभिनग्निनागता |
| ६८ | संस्वायःसंवःसम्यञ्च | १४७ | समध्वरायोपज्ञो |
| ४५ | सजातोर्गर्भोअसि | १२२ | समास्त्वाग्निऋतवो |
| ५३ | सज्जूरब्दोअयवोभिः | ५२ | समित्थंसङ्कल्पेथां |
| ६१ | सज्जूर्त्तुभिःसज्जूर्त्विधा | ५ | समिदासिमूर्धस्त्वा |
| ९ | सज्जूर्देवेनसवित्रा | ९६ | समिद्धइन्द्रउपसा |
| २७ | सजोपाइन्द्रसगणो | ७८ | समिद्धेअग्नावधि |
| ८२ | सत्यश्चमेश्रद्धाच | १०० | समिद्धोअग्निःसमिधा |
| ३३ | सत्रस्यऋद्धिरस्य | ६७ | समिद्धोअग्निरश्विना |
| १२४ | सत्त्वंनश्चित्रवज्रहस्त | १२६ | समिद्धोअज्जनकृद् |
| १०० | सत्त्वंनोअवमोभवो | १३० | समिद्धोअद्यमनुषो |
| १३८ | सदसस्पतिमद्भुतं | ८ | समिधार्गिन्दुवस्यत |
| ६८ | सदुद्रवत्स्वाहुतः | ५१ | समिधार्गिन्दुवस्यत |
| १३१ | सद्योजातोव्यमि | ३१ | समिन्द्राणोमनसा |
| ४० | सधमादोद्युम्निनी | २२ | समुद्रंगच्छ |
| १२१ | सनइन्द्रायज्यवे | ७६ | समुद्रस्यत्वावक |
| ७६ | सनःपावकदीदिवो | ८० | समुद्रादूर्मा |
| १० | सनःपितेवसूनवे | १५५ | समुद्रायत्वावाताय |
| ३४ | सन्नःसिन्धुरवभृथा | ११४ | समुद्रायशशुमारान् |
| १३७ | सनोबन्धुर्जनिता | ३१ | समुद्रेतेहृदयमप्स्वन्तः |
| ८५ | सनोभुवनस्यपते | ६५ | समुद्रेतेहृदय |
| १५६ | सपर्यगाच्छुक्रमका | ५० | समुद्रेत्वानृमणा |
| १४८ | सप्तऋषयःप्रतिहिताः | ८५ | समुद्रोऽसिभस्वा |
| ७६ | सप्ततेअग्नेसमिधः | १८ | समुद्रोऽसिविश्वव्यचा |
| १३६ | सप्तास्यासन्परिधयः | ५८ | सम्यक्श्रवन्तिसरितो |
| | | ८० | सम्यक्श्रवन्ति |

| पृ०. | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|------|---------------------------|-----|--------|
| ६६ | सम्राडसिपतीचीदिगा | १५ | १२ |
| १२३ | सयज्ञदस्यमडिमानं | २७ | १५ |
| ६२ | सरस्वतीमनसांपाशि | १६ | ८३ |
| ६३ | सरस्वतीयोण्यां | १९ | ९४ |
| १३४ | सगोभ्योधैवरं | ३० | १६ |
| १३७ | सर्वेनिमेषायज्ञिरे | ३२ | २ |
| १-४६ | सवितातेशरीराणि | ३५ | ५ |
| १-४६ | सवितातेशरीरेभ्यः | ३५ | २ |
| ३८ | सवितात्वासवानाथं | ६ | ३६ |
| १-५७ | सविताप्रथमेऽहश्च | ३९ | ६ |
| ६८ | सवितावरुणोदधद् | २० | ७१ |
| ४ | सवितुत्वाप्रसवउत्पुना | १ | ३१ |
| ४१ | सवित्राप्रसवित्रा | १० | ३० |
| ८६ | सहदानुमपुरुहूत | १८ | ६६ |
| ५० | सहरय्यानि | १२ | १० |
| ५१ | सहरय्यानिवर्त्त | १२ | ४१ |
| १०६ | सहव्यवाडमर्त्यः | २२ | १६ |
| ६३ | सहश्चसहस्यश्च | १४ | २७ |
| ६५ | सहसाजातान्मणुदा | १५ | २ |
| १४८ | सहस्तोमाःसह | ३४ | ४६ |
| १३५ | सहस्रशीर्षांपुरुषः | ३१ | १ |
| ६६ | सहस्रस्यप्रमासि | १५ | ६५ |
| ७३ | सहस्राणि सहस्रशो | १६ | ५३ |
| ५४ | सहस्रमेअरातीः | १२ | ६६ |
| ५४ | सार्कयत्नम | १२ | ८७ |
| २ | साविश्वायुः | १ | ४ |
| १७ | सिध्वासिसपत्नस | ५ | १० |
| १७ | सिध्वासित्वाहा | ५ | १२ |
| ६६ | सिञ्चन्तिपरिधि | २० | २८ |
| १४६ | सिनीवालिपृथुष्टुके | ३४ | १० |
| ४६ | सिनीवालीसुकुपर्दा | ११ | ५६ |
| ८० | मिन्धाराविषमाध्वने | १७ | ६५ |
| ५० | सीदत्वंमातु | १२ | १५ |
| ४५ | सीदहोतःस्वउल्लोके | ११ | ३५ |
| ५३ | सीरायुञ्जन्ति | १२ | ६७ |
| ६२ | सीसेनतन्त्रंमनसा | १६ | ८० |
| ११६ | सुगव्यंनोवाजी | २५ | ४५ |
| ३१ | सुगावोदेवः | ८ | १८ |
| ४५ | सुजातोऽज्योतिषा | ११ | ४० |
| १०० | सुत्रामाणंपृथिवीं | २१ | ६ |
| १०० | सुनावमारुहेयं | २१ | ७ |
| १३१ | सुपर्णवस्तेमृगो | २९ | ४८ |
| ११५ | सुपर्णःपार्जन्य | २४ | ३४ |
| ४६ | सुपर्णोऽसिगरुत्मा | १२ | ४ |
| ७९ | सुपर्णोऽसिगरुत्मान्पृष्टे | १७ | ७२ |
| २५ | सुप्रजाःप्रजाः | ७ | १८ |
| १०० | सुवर्हिराग्निःपूष | २१ | १५ |
| १११ | सुभूःस्वयम्भूः | २३ | ६३ |
| १५० | सुमित्रियानश्चाप | ३५ | १२ |
| १५२ | सुमित्रियानश्चाप | ३६ | २३ |
| १५६ | सुमित्रियानश्चाप | ३८ | २३ |
| ६० | सुरावन्तं चर्हिषदं | १६ | ३२ |
| २५ | सुवीरोवीरान् | ७ | १३ |
| १४६ | सुषारथिरश्वानिव | ३४ | ६ |
| ८५ | सुषुम्णाःसूर्यरश्मि | १८ | ४० |
| १०६ | सुष्टुतिधुसुमतिवृधो | २२ | १२ |
| ११ | सुसंद्दशत्वावयं | ३ | ५२ |
| ६ | सुसमिद्धायशोचिपे | ३ | २ |

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|--------------------------|-----|--------|
| १०४ | सूपस्थाश्रयदेवोवन | २१ | ६० |
| १०६ | सूर्यएकाकीचरति | २३ | १० |
| १११ | सूर्यएकाकीचरति | २३ | ४६ |
| ३९ | सूर्यवचसस्थ | १० | ४ |
| ७८ | सूर्यरश्मिर्हरिकेश | १७ | ५८ |
| १४ | सूर्यस्यचक्षुरारोहा | ४ | ३२ |
| ६८ | सोअग्निर्योवसृष्ट | १५ | ४२ |
| ३७ | सोमथराजानमवसे | ६ | २६ |
| २६ | सोमःपत्रते | ७ | २१ |
| ६२ | सोममद्भ्योन्यपिव | १९ | ७४ |
| २२ | सोमराजन्विश्वा | ६ | २६ |
| ४० | सोमस्यत्वाद्युमनेना | १० | १७ |
| ४० | सोमस्यत्विपिरसि | १० | ५ |
| ४० | सोमस्यत्विपिरसि | १० | १५ |
| ८६ | सोमस्यरूपंकृतस्य | १९ | १५ |
| १० | सोमानथस्वर्ण | ३ | २८ |
| ११४ | सोमायकुलुङ्ग | २४ | ३२ |
| ११४ | सोमायलबाना | २४ | २४ |
| ११४ | सोमायहथसाना | २४ | २२ |
| १४६ | सोमोधेनुथसोमोअर्व | ३४ | २१ |
| ६२ | सोमोराजाअमृतथ | १६ | ७२ |
| ११४ | सौरीबलाका | २४ | ३३ |
| १२९ | स्तीर्यबर्हिःसुष्टरी | २९ | ४ |
| ५७ | स्तोकानामिन्दुंपति | २० | ४६ |
| ४५ | स्थिरोभववीड्वङ्गः | ११ | ४४ |
| १५० | स्योनापृथिविनोभवा | ३५ | २१ |
| १५१ | स्योनापृथिविनोभवा | ३६ | १३ |
| ४१ | स्योनासिसुपदासि | १० | २६ |
| ८३ | सुचश्चमेचगसाश्च | १८ | २१ |
| १०५ | स्वगात्वादेवेभ्यःप्रजा | २२ | ४ |
| ८० | स्वतवोक्षमघासी | १७ | ८५ |
| ७ | स्वयम्भूरसिश्रेष्ठो | २ | २६ |
| १०६ | स्वयंवाजिथस्तन्वं | २३ | १५ |
| १८ | स्वराडासिसपत्नहा | ५ | २४ |
| ६६ | स्वराडभ्युदीचीदिङ्मरु | १५ | १३ |
| ८५ | स्वर्णप्रमःत्वाहा | १८ | ५० |
| ७९ | स्वरायन्तोनापेक्षन्त | १७ | ६८ |
| ११७ | स्वस्तिनङ्द्रोदृद्धश्वाः | २५ | १९ |
| २४ | स्वाङ्कृतोसि | ७ | ३ |
| २५ | स्वाङ्कृतोऽसि | ७ | ६ |
| १२१ | स्वादिष्ठेयामदिष्ठया | २६ | २५ |
| १३१ | स्वादुशथसदःपित | २६ | ४६ |
| ८८ | स्वादींत्वास्वादुना | १९ | १ |
| १५५ | स्वाहापूष्णेशरसे | ३८ | १५ |
| १५७ | स्वाहाप्राणेभ्यःसाधि | ३६ | १ |
| १५४ | स्वाहामरुद्भिःपरिश्री | ३७ | १३ |
| १३ | स्वाहायज्ञम्मनसा | ४ | ६ |
| १०० | स्वाहायज्ञंवरुणाः | २१ | २२ |
| १५६ | स्वाहायज्ञंवरुणाः | ३८ | १६ |
| ६१ | स्वैर्दक्षैर्दक्षपितेह | १४ | ३ |

ह

| पृ० | अ० मं० | पृ० | अ० मं० |
|-----|---------------------------|-----|--------|
| १३९ | हरयोधूमकेतवो | ३३ | २ |
| ८६ | हविर्धानंयदश्विना | १९ | १८ |
| २२ | हविष्मतीरिमाआपो | ६ | २३ |
| ४४ | हस्तंआधायसविता | -११ | ११ |
| १०५ | हिङ्कारायस्वाहा | २२ | ७ |
| ७६ | हिमस्यत्वानराशुणा | १७ | ५ |
| १५९ | हिरण्ययेनपात्रेण | ४० | १७ |
| ५६ | हिरण्यगर्भःसमवर्तता | १३ | ४ |
| १०८ | हिरण्यगर्भःसमवर्त | २३ | १ |
| ११७ | हिरण्यगर्भः समवर्त | २५ | १० |
| १४७ | हिरण्यपाणिःसविता | ३४ | २५ |
| १०६ | हिरण्यपाणिमृतये | २२ | १० |
| ४० | हिरण्यरूपोऽषसो | १० | १६ |
| १३० | हिरण्यमृद्धोयोऽस्य | २९ | २० |
| १४७ | हिरण्यइस्तोऽमरः | ३४ | २६ |
| २२ | हृदेत्वामनसेत्वा | ६ | २५ |
| १५४ | हृदेत्वामनसेत्वा | ३७ | १६ |
| १०१ | हेमन्तेनऋतुना | २१ | २७ |
| ११८ | होताध्वर्युरावया | २५ | २८ |
| १२६ | होतायज्ञचनूनपात | २८ | २५ |
| १२५ | होतायज्ञचनूनपातमृति | २८ | २ |
| १०१ | होतायज्ञचनूनपात् | २१ | ३० |
| १०१ | होतायज्ञत्तिस्रोदेवी | २१ | ३७ |
| १२५ | होतायज्ञत्तिस्रो | २८ | ८ |
| १२५ | होतायज्ञत्त्वष्टारमिन्द्र | २८ | ९ |
| १२७ | होतायज्ञत्पेशस्वती | २८ | ३१ |
| १६७ | होतायज्ञत्प्रेतसादेवा | २८ | ३० |
| ११२ | होतायज्ञत्प्रजापतिसोम | २३ | ६४ |
| १०१ | होतायज्ञत्समिधाग्नि | २१ | २९ |
| १२६ | होतायज्ञत्समिधानां | २८ | २४ |
| १२५ | होतायज्ञत्समिधेन्द्र | २८ | १ |
| १०२ | होतायज्ञत्सरस्वती | २१ | ४४ |
| १२७ | होतायज्ञत्सुपेशसुशि | २८ | २६ |
| १०१ | होतायज्ञत्सुपेशसो | २१ | ३५ |
| १२७ | होतायज्ञत्सुवर्हिषं | २८ | २७ |
| १०१ | होतायज्ञत्सुरेतस | २१ | ३८ |
| १२७ | होतायज्ञत्सुरेतसंत्व | २८ | ३२ |
| १२७ | होतायज्ञत्स्वाहाकृती | २८ | ३४ |
| १०२ | होतायज्ञदग्निस्वाहा | २१ | ४० |
| १०३ | होतायज्ञदग्निस्विष्टकृ | २१ | ४७ |
| १०२ | होतायज्ञदश्विनौछा | २१ | ४१ |
| १०२ | होतायज्ञदश्विनौछाग | २१ | ४३ |
| १०२ | होतायज्ञदश्विनौसर | २१ | ४२ |
| १२५ | होतायज्ञदिडाभिरिन्द्रं | २८ | ३ |
| १०१ | होतायज्ञदिडेडित | २१ | ३२ |
| १२७ | होतायज्ञदीडेऽन्य | २८ | २६ |
| १२६ | होतायज्ञदिन्द्रधस्वाहा | २८ | ११ |
| १०२ | होतायज्ञदिन्द्रमृषभ | २१ | ४५ |
| १२६ | होतायज्ञदुपेशेन्द्रस्य | २८ | ६ |
| १२५ | होतायज्ञदोजानवीर्यं | २८ | ५ |
| १०१ | होतायज्ञदुरोदिशः | २१ | ३४ |
| १०१ | होतायज्ञद्वैव्याहो | २१ | ३६ |
| १२५ | होतायज्ञद्वैव्याहो | २८ | ७ |
| १०१ | होतायज्ञद्वर्हि | २१ | ३३ |
| १२५ | होतायज्ञद्वर्हिषीन्द्रं | २८ | ४ |
| १०२ | होतायज्ञद्वनस्पतिं | २१ | ३६ |
| १२५ | होतायज्ञद्वनस्पतिं | २८ | १० |
| १२७ | होतायज्ञद्वनस्पतिं | २८ | ३३ |
| १०२ | होतायज्ञद्वनस्पतिमभि | २१ | ४६ |
| १२७ | होतायज्ञद्वन्यश्चस्वतीः | २८ | २८ |
| १०१ | होतायज्ञनराशधंस | २१ | ३१ |

यजुर्वेदस्य प्रत्यध्यायं पृथक् पृथङ्मन्त्राणां संख्या ।

| अध्यायाः | मन्त्र संख्या | अध्यायाः | मन्त्र संख्या |
|--------------|---------------|-----------------------|---------------|
| प्रथमः | ३१ | त्रयोविंशतिमः | ६५ |
| द्वितीयः | ३४ | चतुर्विंशतिमः | ४० |
| तृतीयः | ६३ | पञ्चविंशतिमः | ४८ |
| चतुर्थः | ३७ | षड्विंशतिमः | २६ |
| पञ्चमः | ४३ | सप्तविंशतिमः | ४५ |
| षष्ठमः | ३७ | अष्टाविंशतिमः | ४६ |
| सप्तमः | ४८ | उन्विंशतिमः | ६० |
| अष्टमः | ६३ | त्रिंशतिमः | २२ |
| नवमः | ४० | एकत्रिंशतिमः | २२ |
| दशमः | ३४ | द्वात्रिंशतिमः | १६ |
| एकादशः | ८३ | त्रयस्त्रिंशतिमः | ९७ |
| द्वादशः | ११७ | चतुस्त्रिंशतिमः | ५८ |
| त्रयोदशः | ५८ | पंचत्रिंशतिमः | २२ |
| चतुर्दशः | ३१ | षड्त्रिंशतिमः | २४ |
| पञ्चदशः | ६५ | सप्तत्रिंशतिमः | २१ |
| षोडशः | ६६ | अष्टात्रिंशतिमः | २८ |
| सप्तदशः | ९९ | उन् चत्वारिंशतिमः | १३ |
| अष्टादशः | ७७ | चत्वारिंशतिमः | १७ |
| उन्विंशतिमः | ९५ | सर्वमन्त्राणां संख्या | १९७६ |
| विंशतिमः | ९० | | |
| एकविंशतिमः | ६१ | | |
| द्वाविंशतिमः | ३४ | | |

वैदिक पुस्तकालय अजमेर की विक्रय पुस्तकों का सूचीपत्र व

बेचने के संक्षिप्त नियम ॥

(१) सब पुस्तकें रोक दाम पैशगी भेजने पर या वी, वी, द्वारा भेजी जावेंगी
 (२) मूलवेदों पर (जिल्द की क्रीमत व सुनहरी वेदों को छोड़) २ सेट पर २०) २१ पर २२)
 और १०० पर ३०) सैकड़ा और शेष सब पुस्तकों पर १०) रुपये वा इस से अधिक
 के पुस्तक मंगवाने वालों को २०) सैकड़े के हिसाब से कमीशन दिया जायगा अर्थात् ८) में
 १०) की पुस्तकें, १००) रोक भेजने पर १२२) की पुस्तकें भेजी जावेंगी (३)
 महसूल सब पुस्तकों का अलग लिया जावेगा (४) , बिके हुए पुस्तक वापिस न
 लिये जावेंगे (५) मूल्य आदि भेजने तथा बड़ा सूचीपत्र मंगवाने के लिये नीचे लिखे
 पते से पत्र व्यवहार करें ॥

| मूल्य. डा. | मूल्य डा. |
|--|--|
| ऋग्वेदभाष्य महले मंडल से सातवें मंडल के पांचवें अ- ष्टकके पांचवें अध्याय से तीसरे वर्ग के दूसरे मंत्र तक क्रीमत २०) | यजुर्वेदभाष्य सम्पूर्ण १०) |
| कमीशन २०) सैकड़ा दिया जावेगा | कमीशन २०) सैकड़े से दिया जावेगा |
| नोट फुटकर अंक नहीं बेचे जावेंगे | नोट-फुटकर नहीं बेचे जावेंगे |
| ऋग्वेद का आगे का शेष मूल भाग १) | चारों मूलवेदः— बढ़िया कागज पर स्वर्णाक्षरों में ८) बढ़िया कागज पर बिना जिल्द ५॥) साधारण कागज पर बिना जिल्द ५) बढ़िया जिल्द के २) अलग |
| ऋग्वेदभाष्य का नमूना १॥ १॥ | चारोंवेदों की अनुक्रमशिका १॥) =॥ |
| | शतपथ ब्राह्मण सम्पूर्ण ४) १) |
| | ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका ११) =) |

| मूल्य. डा. | मूल्य. डा. |
|--|--|
| ऋग्वेदादिभाष्य भूमिका सजिल्द १।।। १) | वेदान्तिध्वान्तनिवारण नागरी)।।।)।। |
| वेदाङ्गप्रकाश सम्पूर्णा (१४भाग) ४।३।।। १।३।। | वेदान्तिध्वान्तनिवारण अङ्गरेजी -))।। |
| वेदाङ्गप्रकाश का व्यौरा:— | आर्योद्देश्यरत्नमाला नागरी)।)।। |
| वर्णोच्चारण शिक्षा)।।)।। | आर्योद्देश्यरत्नमाला मरहटी -))।। |
| सन्धिविषय १-))।। | गोकरूपानिधि -))।। |
| नामिक १))।। | स्वामी नारायणमतखं० संस्कृत गुज. -)।।)।। |
| कारकीय ३))।। | स्वामी नारायणमतखं० सं० नागरी -)।।)।। |
| सामासिक १))।। | स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश नागरी)।।)।। |
| त्रिणताद्धित १।-) -) | स्वमन्तव्यामन्तव्यप्रकाश अङ्गरेजी)।)।। |
| अव्ययार्थ -)।।)।। | आर्याभिविनय गुटका ३))।। |
| सौवर -)।।)।। | आर्याभिविनय सजिल्द १-) -) |
| आख्यातिक १।) ३)।। | आर्याभिविनय मोटे अक्षरों की १-) ३-) |
| पारिभाषिक ३))।। | आन्तिनिवारण -))।। |
| धातुपाठ १))।। | पञ्चमहायज्ञविधि -)।।)।। |
| गणपाठ ३))।। | पञ्चमहायज्ञविधि साधारण जिल्द ३)।।)।। |
| उणादिकोष १।) -) | पञ्चमहायज्ञविधि बढिया ३))।। |
| निघण्टु १))।। | आर्यसमाज के नियमोपनियम)।)।। |
| निरुक्त १।-) -)।। | सत्यार्थप्रकाश साधा० कागज नागरी १) ।) |
| अष्टाध्यायीमूल ३)।।)।। | सत्यार्थप्रकाश साधा० सजिल्द ,, १।।) १-) |
| संस्कृतवाक्यप्रबोध ३))।। | सत्यार्थप्रकाश बढिया ,, १।।।) १-) |
| व्यवहारभानु ३))।। | सत्यार्थप्रकाश बढिया सजिल्द ,, १।) १-) |
| हवनमन्त्र १))।। | सत्यार्थप्रकाश वङ्ग भाषा में १) |
| अमोच्छेदन)।।।)।। | संस्कारविधि १।) ३-) |
| अनुअमोच्छेदन)।।।)।। | संस्कारविधि सजिल्द १) ३-) |
| शास्त्रार्थ मेलता चांदापुर नागरी -))।। | स्वीकारपत्र)।)।। |
| शास्त्रार्थ मेलता चांदापुर उर्दू -))।। | आर्यसमाज के नियम नागरी में एक प्र- कार की स्याही में ३)।। सैकड़ा, रङ्ग बिरङ्गी स्याही में तथा मुनहरी २) सैकड़ा, अङ्गरेजी में सफेद कागज पर १) सैकड़ा ॥ |
| शास्त्रार्थ काशी)।।।)।। | |
| शास्त्रार्थ फीरोजाबाद -)।।)।। | |
| वेदविरुद्धमतखण्डन ३))।। | |

